राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण शुक्रवार 17 अक्टूबर 2025 वर्ष-8,अंक-238 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की संपत्तियां नीलाम होंगी

मुंबई 90 के दशक में भारत से फरार हुआ 1993 के मुंबई सीरियल बम धमाकों में शामिल रहे अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम की ज़ब्त संपत्तियां नीलाम की जाएंगी। बताया जा रहा है कि ये संपत्तियां आम नागरिक भी खरीद सकेंगे। दाऊद की संपत्तियां खरीदने के इच्छुक किसी भी व्यक्ति को नीलामी में भाग लेना होगा और ऊंची बोली लगानी होगी। संपत्ति सबसे ऊंची बोली लगाने वाले को बेची जाएगी। ज्ञात हो कि दाऊद की चार संपत्तियों की नीलामी जनवरी 2024 में हुई थी। इनमें महाराष्ट्र के रत्नागिरी जिले के खेड़ तालुका के मुंबाके गांव में दो प्लॉट शामिल थे। इनमें से एक 1730 वर्ग मीटर का और दूसरा 171 वर्ग मीटर का प्लॉट था। इन दोनों प्लॉटों के लिए 1.56 लाख रुपये आरक्षित मूल्य रखा गया था। दिल्ली के वकील अजय श्रीवास्तव ने 1730 वर्ग मीटर वाले प्लॉट के लिए 3.28 लाख रुपये और 71 वर्ग मीटर वाले प्लॉट के लिए 2.01 करोड़ रुपये की बोली लगाई। बाकी दो संपत्तियों के लिए किसी ने बोली नहीं लगाई। बाद में, श्रीवास्तव ने केवल 1730 वर्ग मीटर के भूखंड के लिए ही राशि जमा की। इसके परिणामस्वरूप, अब नवंबर 2025 में, मुंबाके गाँव में तीन संपत्तियाँ, 171 वर्ग मीटर का भूखंड, 10,420.5 वर्ग मीटर का भूखंड और 8,953 वर्ग मीटर का भूखंड, जिनकी बोली नहीं लगी थी, और 2,240 वर्ग मीटर कृषि भूमि, बिक्री के लिए रखी गई हैं। इन ज़ब्त संपत्तियों की नीलामी सीलबंद निविदाओं के माध्यम से की जाएगी। यह नीलामी प्रक्रिया केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अधीन सफेमा द्वारा संचालित की जाएगी।

दिल्ली में दिवाली के बाद कृत्रिम बारिश की तैयारी, मौसम विभाग की मंजूरी का इंतजार

नई दिल्ली राजधानी दिल्ली में दिवाली से पहले ही वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच गया है। बुधवार को दिल्ली के कई इलाकों में एयर क्वालिटी इंडेक्स 300 के पार दर्ज किया गया था। बढ़ते प्रदूषण पर काबू पाने के लिए दिल्ली सरकार ने क्लाउड सीडिंग यानी कृत्रिम बारिश की योजना तैयार कर ली है। पर्यावरण मंत्री मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि दिवाली के एक दिन बाद चुनिंदा इलाकों में कृत्रिम बारिश कराई जा सकती है। मौसम विभाग की हरी झंडी मिलते ही यह प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। सिरसा ने कहा कि ब्लास्टिंग या स्प्रे के जरिए क्लाउड सीडिंग का सैंपल टेस्ट किया जाएगा। हम बादलों के छाने का इंतजार कर रहे हैं। सभी तकनीकी और लॉजिस्टिक तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। मंत्री ने बताया कि इस अभियान के लिए दो पायलटों को चार दिन की विशेष ट्रेनिंग दी गई है। जैसे ही प्रक्रिया शुरू होगी, तीन घंटे में इसका असर दिखाई देने लगेगा। इस बीच, दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता लगातार गिरती जा रही है। बुधवार को दिल्ली के 5 प्रमुख केंद्रों पर प्रदूषण का स्तर 300 से ऊपर दर्ज किया गया, इनमें आनंद विहारः 345, द्वारका सेक्टरः 8:314, वजीरपुरः 325, सीआरआरआई मथुरा रोडः307 और डीयू नॉर्थ कैंपसः307 एक्यूआई दर्ज की गई। कुल मिलाकर, दिल्ली के 20 मॉनिटरिंग सेंटरों पर वायु गुणवत्ता खराब श्रेणी में और 13 केंद्रों पर मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई।

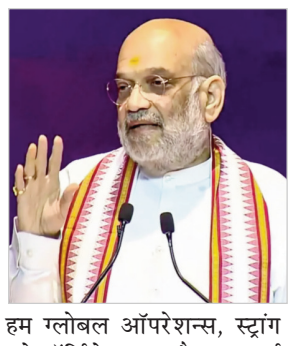

केंद्रीय कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट्स मिलने में नहीं होगी देरी

रिटायरमेंट से दो महीने पहले पीपीओ जारी कर दिया जाएगा

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट्स से संबंधित एक महत्वपूर्ण घोषणा है। इस घोषणा का मकसद रिटायरमेंट के बाद पेंशन और रिटायरमेंट बेनिफिट्स (लाभ) मिलने में देरी को खत्म करना। अब कर्मचारियों को पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) के लिए महीनों तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा। पेंशन एवं पेंशनभोगी कल्याण विभाग (डीओपीपीडब्ल्यू) ने निर्देश दिए हैं कि रिटायरमेंट से पहले ही पीपीओ जारी कर दिया जाए। सीसीएस (पेंशन) नियम, 2021 के तहत, अब रिटायरमेंट से कम से कम दो महीने पहले पीपीओ या ई-पीपीओ जारी करना अनिवार्य है। सभी विभागों को कर्मचारियों की सेवा पुस्तिकाएं डिजिटल करने का आदेश दिया गया है। कर्मचारियों का रिकॉर्ड ई-एचआरएमएस सिस्टम पर ऑनलाइन रहेगा, जिससे पेंशन प्रक्रिया में पारदर्शिता आएगी। हर विभाग में एक पेंशन मित्र या वेलफेयर ऑफिसर तैनात किया जाएगा। ये अधिकारी रिटायर होने वाले कर्मचारियों को फॉर्म भरने, दस्तावेज़ तैयार करने और पेंशन आवेदन में मदद करने वाले है। कर्मचारी की मृत्यु होने पर, ये अधिकारी फैमिली पेंशन के लिए परिवार की सहायता भी देने वाले है। पेंशन जारी करने में विजिलेंस क्लियरेंस की कमी अब बाधा नहीं बनेगी। जांच/जांच चलने की स्थिति में भी कर्मचारी को अंतरिम पेंशन दी जाएगी। ग्रेच्युटी को केवल अंतिम आदेश आने तक ही रोका जा सकेगा। इतना ही नहीं सभी मंत्रालयों को 'भाविष्य' पोर्टल से जोड़ा जाएगा। यह पोर्टल पेंशन मामलों की रियल-टाइम मॉनिटरिंग करेगा और सुनिश्चित करेगा कि रिटायरमेंट से दो महीने पहले पीपीओ जारी हो जाए। पेंशन मामलों की निगरानी के लिए एक निरीक्षण निगरानी सिस्टम बनाया गया है। हर मंत्रालय में नोडल निरीक्षण समिति बनेगी।

भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को अपना रही हमारी सरकार : शाह

नई दिल्ली

नई दिल्ली में आयोजित भगौड़ों के प्रत्यर्पण पर सम्मेलन- चुनौतियां और रणनीतियां का आयोजन केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कहा, हम करप्शन, संगठित अपराध और आतंकवाद के प्रति जीरो टॉलरेंस अपनाते हैं। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि भारत में अब भ्रष्टाचार, अपराध और आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति को और अधिक सख्ती से लागू किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ देश में बैठे अपराधियों पर ही नहीं, बल्कि बाहर से देश में अपराध कराने वालों पर भी जीरो टॉलरेंस होना चाहिए। उन्होंने कहा, जो लोग देश के बाहर बैठकर भारत में अपराध, भ्रष्टाचार और आतंकवाद फैलाने की कोशिश करते हैं, उन्हें भी कानून के दायरे में लाने के लिए सुनिश्चित तंत्र बनाना हमारी सरकार की जिम्मेदारी है।

गृह मंत्री शाह ने बताया कि भारत सरकार ने भगौड़ों के खिलाफ कार्रवाई को और प्रभावी करने भारतपोल और तीन नए आपराधिक कानूनों में ट्रायल इन एब्सेंशिया (बिना आरोपी की मौजूदगी के मुकदमे की सुनवाई और फैसला किया जाना) जैसी व्यवस्था की है। उन्होंने कहा, इन प्रावधानों के माध्यम से कोई भी भगौड़ा, चाहे वह दुनिया के किसी भी कोने में क्यों न हो, उस भगौड़े को हम अदालत के सामने पेश करने में सक्षम होने वाले है। केंद्रीय गृहमंत्री शाह ने कहा, अपराध और अपराधी की चाल चाहे कितनी भी तेज क्यों न हो, न्याय की पहुंच उससे भी अधिक गतिमान होनी चाहिए।

गृहमंत्री ने कहा कि अब समय आ गया है जब हर भगौड़े के खिलाफ रुथलेस अप्रोच अपनाने की जरूरत है, चाहे वह आर्थिक अपराधी हो, साइबर अपराधी, आतंकी या किसी संगठित अपराध नेटवर्क का हिस्सा। उन्होंने कहा कि इसतरह सभी अपराधियों को भारतीय न्याय व्यवस्था के समक्ष खड़ा करना ही हमारी सरकार का संकल्प है। शाह ने कहा कि भारत की एजेंसियां अब एकीकृत और तकनीक आधारित तंत्र के माध्यम से वैश्विक स्तर पर भगौड़ों का पता लगाने और उन्हें भारत लाने में सक्षम हो रही हैं।

शाह ने कहा, मुझे यह बात कहने में कोई संकोच नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हमारा लक्ष्य एक मजबूत भारत है, जो सीमाओं की सुरक्षा, कानून के शासन और स्मार्ट डिप्लोमेसी के माध्यम से विश्व में अपनी भूमिका को और सशक्त बनाएगा। आज

हम ग्लोबल ऑपरेशन्स, स्ट्रांग कोऑर्डिनेशन और स्मार्ट डिप्लोमेसी इन तीनों क्षेत्रों के संयोजन पर विशेष ध्यान दे रहे हैं।

7वीं बार संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का सदस्य बना भारत

1 जनवरी से शुरू होगा कार्यकाल

नई दिल्ली

तेजी से बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य के बीच भारत सातवीं बार संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के सदस्य के रूप में चुना गया है। जिसमें उसका कार्यकाल वर्ष 2026 से 2028 तक रहेगा। बीते मंगलवार को अपनी एक एक्स पोस्ट में चुनाव परिणामों की घोषणा करते हुए परिषद ने यह जानकारी दी है। जिसमें बताया कि भारत का यूएनएचआरसी में यह तीन साल का कार्यकाल अगले वर्ष 1 जनवरी 2026 से शुरू होगा। पूर्व में भारत ने परिषद में बीते वर्ष 2024 में अपनी भूमिका का निर्वाह किया है। यूएन में भारत के स्थायी प्रतिनिधि पी.हरीश ने एक्स पोस्ट में मानवाधिकार परिषद में भारत के सातवें कार्यकाल के लिए चुने जाने के लिए सभी प्रतिनिधिमंडलों का उनके समर्थन को लेकर आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि यह चुनाव मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रताओं के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। हम अपने कार्यकाल के दौरान इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए तत्पर हैं। भारत के साथ ही संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में पाकिस्तान, इराक, इटली, मॉरीशस, मिस्र, चिली, अंगोला, इक्वाडोर, एस्टोनिया, स्लोवेनिया, दक्षिण-अफ्रीका, ब्रिटेन और वियतनाम जैसे देशों को भी चुना गया है और उनकी सदस्यता की शुरुआत भी 1 जनवरी 2026 से होगी।

2006 से है भारत के पास सदस्यता

भारत केवल तीन मौकों को छोड़कर वर्ष-2006 से यूएनएचआरसी के गठन के बाद से लगातार इसका सदस्य रहा है। वर्ष 2011, 2018 और 2025 ऐसे तीन साल रहे हैं। जब देश के पास परिषद की सदस्यता नहीं रही और उसके पीछे का एक बड़ा कारण यह रहा है कि यूएनएचआरसी के नियम लगातार तीसरे कार्यकाल पर रोक लगाते हैं। जिसके चलते भारत को बीच-बीच में एक-एक वर्ष का ये अंतर लेना पड़ा। यहां एक ध्यान देने वाली बात ये भी है कि परिषद में देश की तरफ से मौजूदा साल के चुनाव में जाने से पहले भी ऐसा ही अंतर लिया गया है। परिषद में 2006 में अपने पहले कार्यकाल के दौरान भारत ने सर्वाधिक 190 में से 173 सीटें जीती थीं। पूर्व में भारत के छह कार्यकाल वर्ष 2006-07, 2008-2010, 2012-14, 2015-17, 2019-2021 और 2022-24 के बीच रहे हैं। ऐसे काम करती 47 सदस्यीय परिषद संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद कुल 47 सदस्य देशों से मिलकर बनी है। जिसका चुनाव यूएन महासभा द्वारा कुल तीन साल के लिए किया जाता है और यह पूरी प्रक्रिया समान भौगोलिक विभाजन नियमों पर आधारित होती है।

ऑपरेशन सिंदूर में सैटेलाइट्स ने भी दम दिखाया

इसरो प्रमुख बोले- 2035 तक भारत का अपना स्पेस स्टेशन होगा

वाराणसी

आईआईटी बीएचयू के 14वें दीक्षांत समारोह में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के चेयरमैन वी. नारायणन ने कहा कि 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारत के सैटेलाइट्स ने शानदार प्रदर्शन किया और यह साबित किया कि देश की अंतरिक्ष तकनीक केवल विज्ञान और अनुसंधान तक सीमित नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए भी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। इसरो प्रमुख नारायणन ने कहा कि आने वाले वर्षों में अंतरिक्ष विज्ञान भारत की प्रगति का प्रमुख आधार बनेगा। 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने में स्पेस सेक्टर की बड़ी भूमिका होगी। इसरो प्रमुख ने यह भी घोषणा की कि 2035 तक भारत का अपना अंतरिक्ष स्टेशन (इंडियन स्पेस स्टेशन) तैयार होगा। इसके साथ ही उन्होंने बताया कि चंद्रयान-4 और चंद्रयान-5 मिशनों पर काम तेज़ी से जारी है। नारायणन ने कहा, भारत ही वह देश है जिसने चंद्रयान-3 की सॉफ्ट लैंडिंग कर इतिहास रचा। उस मिशन से हमें चांद की सतह और वहां की परिस्थितियों से जुड़ी कई नई जानकारियां मिलीं। उन्होंने छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि आईआईटी बीएचयू एक ऐतिहासिक और सुंदर संस्थान है, और यहां से पढ़ाई पूरी करना गर्व की बात है। उन्होंने सभी स्नातक छात्रों को भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। समारोह के दौरान आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित पात्रा के साथ वी. नारायणन ने टॉपर छात्रों को मेडल प्रदान किए। इस अवसर पर केमिकल इंजीनियरिंग की छात्रा अनन्या सिंह को प्रेसिडेंट गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया।

रूस से कच्चे तेल की खरीद में दूसरे नंबर पर भारत

अमेरिकी धमकियों का नहीं हुआ असर

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीख-चीखकर भारत को धमकाते रहे कि रुस से तेल खरीदना बंद कर दे। इससे भारत न डरा और न झुका। नतीजा ये हुआ कि चीन के बाद दुनिया में दूसरा देश भारत है जिसने सबसे ज्यादा रुस से कच्चा तेल खरीदा।

सितंबर माह में रूस से लगभग 25,597 करोड़ मूल्य का कच्चा तेल खरीदा है। इसके साथ ही भारत चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा खरीदार बन गया। यह जानकारी हेलसिंकी स्थित सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर की नई रिपोर्ट में दी गई है। रिपोर्ट के अनुसार, चीन ने इस दौरान 3.2 अरब यूरो का कच्चा तेल खरीदा है। बता दें कि रूप से चीन रूसी जीवाश्म ईंधन की खरीद करने वाला सबसे बड़ा आयातक रहा है। भारत दूसरे स्थान पर है। इन दोनों देशों के बाद तुर्किये, यूरोपीय संघ और दक्षिण कोरिया का स्थान रहा है। सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात 9 प्रतिशत घटकर फरवरी के बाद का सबसे निचला स्तर पर आ गया। सरकारी तेल कंपनियों द्वारा खरीद में 38 प्रतिशत की गिरावट आई, जो मई 2022 के बाद का न्यूनतम स्तर है। भारत ने कच्चे तेल के अलावा रूस से 45.2 करोड़ यूरो का

कोयला और 34.4 करोड़ यूरो का रिफाइन्ड तेल खरीदा है। वहीं, चीन ने रूस से 78.4 करोड़ यूरो का कोयला, 65.8 करोड़ यूरो की पाइपलाइन गैस और 48.7 करोड़ यूरो का एलएनजी आयात किया है। भारत ने इस अवधि में रूस से कोई गैस नहीं खरीदी। यही नहीं भारत ने सितंबर में रूस से कोयला और रिफाइन ईंधन समेत कुल 3.6 अरब यूरो का जीवाश्म ईंधन आयात किया।

क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे?

केंद्रीय मंत्री बोले- यह सवाल मुझसे नहीं वर्तमान अध्यक्ष से पूछो

नई दिल्ली

केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने एक कार्यक्रम मोदी सरकार को लेकर बड़ी बात कही है। गडकरी ने कहा कि 50 से 60 साल की तुलना में पिछले 11 साल में हर सेक्टर में जितना काम हुआ है, उससे कॉन्फिडेंस बढ़ा है। जब गडकरी से सवाल किया कि बीजेपी को अगला नेशनल प्रेसिडेंट मिलने में देरी क्यों हो रही है?

क्या नितिन गडकरी दोबारा से बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष बनेंगे? इसपर गडकरी ने कहा कि बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष से यह सवाल पूछा जा रहा है। गडकरी ने साफ कहा कि वे पार्टी के नेशनल प्रेसिडेंट बनने की दौड़ में नहीं हैं। बता दें नितिन गडकरी पूर्व में भी बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके हैं।

बीजेपी में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष का चयन होना है, लेकिन अभी तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो सकी है। इस बाबत जब नितिन गडकरी से सवाल पूछा तो उन्होंने कहा कि आपको पूर्व के बजाय वर्तमान अध्यक्ष से इसके बारे में पूछना चाहिए। साथ ही उन्होंने पार्टी अध्यक्ष का पद फिर से संभालने की संभावना से इनकार कर दिया। गडकरी ने साफ कहा कि वह बीजेपी का राष्ट्रीय अध्यक्ष नहीं बनने जा रहे हैं। उन्होंने रोड इंफ्रास्ट्रक्चर के सेक्टर में जबरदस्त काम किया है। सड़क निर्माण में नई तकनीक के इस्तेमाल को उन्होंने बढ़ावा दिया है। गडकरी पर कांग्रेस ने गंभीर आरोप लगाए हैं। कांग्रेस के कई नेताओं का कहना है कि गडकरी पॉलिसी बनाते हैं और उनका बेटा प्रॉफिट कमाता है। विपक्षी दल का आरोप है कि इथेनॉल को लेकर बनाई गई नीति का सबसे ज्यादा फायदा गडकरी परिवार को मिला है।

संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लेने वाले सेना प्रमुखों/उप-प्रमुखों ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की

नई दिल्ली

संयुक्त राष्ट्र शांति अभियान योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों के सम्मेलन में भाग लेने वाले सेना प्रमुखों/उप-प्रमुखों ने अपने जीवनसाथी के साथ आज (16, अक्टूबर 2025) राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की।राष्ट्रपति ने उन्हें संबोधित करते हुए कहा कि वे अपने देशों के सर्वोत्तम मूल्यों और लोकाचार के गौरवशाली प्रतिनिधि हैं, जो स्थायी शांति और समृद्धि के प्रति अपने राष्ट्रों के अनुभव, विशेषज्ञता और संकल्प का भंडार साथ लाए हैं। राष्ट्रपति ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षक विश्‍व में 71 विभिन्न अभियानों में तैनात किए गए हैं। उन्होंने कहा कि इन शांति अभियानों का उद्देश्य निर्दोष व्यक्तियों खासतौर पर महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की पीड़ा दूर करनी है।

राष्ट्रपति ने कहा कि दुनिया के सुदूर और दूर-दराज के स्थानों पर तैनात संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों ने अनुकरणीय साहस और करुणा प्रदर्शित की है। राष्ट्रपति ने कहा कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के रूप में, भारत बहुपक्षवाद और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के सिद्धांतों के दृढ़ता से पालन में विश्वास रखता है। संयुक्त राष्ट्र शांति रक्षकों की स्थापना के बाद से ही भारत को निरंतर शांति रक्षकों के योगदान देने का गर्व है। श्रीमती मुर्मु ने कहा कि हमारे शांति रक्षकों ने दुनिया भर के कुछ सबसे चुनौतीपूर्ण अभियानों में विशिष्ट भूमिका निभाई है। उन्होंने कहा कि शांति स्थापना के प्रयासों में भारत ने लैंगिक समावेशन में भी सराहनीय प्रगति की है। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि महिला शांतिरक्षकों ने स्थानीय समुदायों के

बीच विश्वास बढ़ाया है और उन्हें सशक्त बनाया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि शांति स्थापना के बड़े कार्य में वीर महिलाओं और पुरुषों का योगदान देने वाले राष्ट्रों के रूप में, हमें सामूहिक तौर पर ऐसा ढांचे विकसित करने का प्रयास करना चाहिए जो सैन्य योगदानकर्ता देशों की आवाज और मज़बूत करें। राष्ट्रपति ने कहा कि हमें स्थानीय हितधारकों के साथ अधिक सक्रियता से जुड़ने के लिए काम करना चाहिए, जो ऐसा वातावरण बनाने में सहायक होगा, जिसमें शांति थोपी नहीं जाएगी, बल्कि सहभागी प्रक्रियाओं के माध्यम से इसे पोषित किया जाएगा। राष्ट्रपति मुर्मु ने विश्वास व्यक्त किया कि संयुक्त राष्ट्र सैन्य योगदानकर्ता देशों के सैन्य प्रमुखों का सम्मेलन है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

गरीबी है मानवता के भाल पर बड़ा कलंक

(लेखक- ललित गर्ग)

(अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस- 17 अक्टूबर, 2025)

विश्व समुदाय हर वर्ष 17 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस के रूप में मनाता है। यह दिन केवल एक स्मरण नहीं, बल्कि मानवता के समक्ष खड़ी सबसे बड़ी चुनौती पर मंथन का अवसर है। सभ्यता के विकास, तकनीकी प्रगति, आर्थिक विस्तार और वैश्विक व्यापार के बावजूद आज भी करोड़ों लोग रोटी, कपड़ा, मकान, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी मूलभूत आवश्यकताओं से वंचित हैं। गरीबी एक आर्थिक स्थिति मात्र नहीं है, यह मनुष्य की गरिमा पर सबसे बड़ा आघात है-यह उसके सपनों, आत्मविश्वास और अस्तित्व को कुचलने वाला सामाजिक अभिशाप है। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 1992 में गरीबी को खत्म करने के प्रयासों और संवाद को बढ़ावा देने के लिए इस दिन की घोषणा की थी। इसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों के संघर्ष को स्वीकार करना और गरीबी के विभिन्न आयामों, जैसे कि आय की कमी, स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच की कमी आदि को संबोधित करना है। 2025 की थीम 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' है। इस दिवस का उद्देश्य गरीबी और इसके कारणों के बारे में जागरूकता बढ़ाना है, तथा गरीबी से जूझ रहे लोगों की समस्याओं को उजागर करना है।

आज दुनिया में लगभग सत्तर करोड़ लोग अत्यंत गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र का लक्ष्य है कि 2030 तक अत्यंत गरीबी का अंत किया जाए, परंतु यह लक्ष्य अभी भी दूर प्रतीत होता है। युद्ध, जलवायु परिवर्तन, असमान आर्थिक नीतियाँ, जनसंख्या वृद्धि और बेरोज़गारी ने गरीबी को नया रूप दिया है। अब गरीबी केवल रोटी की कमी नहीं, बल्कि अवसरों की असमानता और सामाजिक अन्याय का भी प्रतीक बन चुकी है। अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन कहते हैं-卐गरीबी केवल आय का प्रश्न नहीं है, यह स्वतंत्रता की कमी है।卐 अर्थात जब किसी व्यक्ति के पास अपने जीवन को अपनी इच्छा के अनुसार ढालने के अवसर नहीं होते, तभी वास्तविक गरीबी जन्म लेती है। भारत ने पिछले कुछ दशकों में गरीबी घटाने के क्षेत्र में उल्लेखनीय प्रगति की है। नीति आयोग के अनुसार, 2013-14 में जहाँ देश की 29 प्रतिशत आबादी बहुआयामी गरीबी में थी, वहीं 2019-21 तक यह घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई। परंतु यह सफलता पूर्ण नहीं कही जा सकती, क्योंकि गरीबी का असर ग्रामीण इलाकों, दलितों, आदिवासियों और महिलाओं पर अभी भी अधिक है। गरीबी का सबसे बड़ा प्रभाव शिक्षा और स्वास्थ्य पर पड़ता है-जहाँ गरीब बच्चे स्कूल छोड़ने पर मजबूर होते हैं, वहीं परिवार बीमारी का खर्च नहीं उठा पाते। यह चक्र दर चक्र उन्हें फिर गरीबी में धकेल देता है।

आजादी के अमृत काल में सशक्त भारत एवं विकसित भारत को निर्मित करते हुए गरीबमुक्त भारत के संकल्प को भी आकार देना होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं उनकी सरकार ने वर्ष 2047 के आजादी के शताब्दी समारोह के लिये जो योजनाएं एवं लक्ष्य तय किये हैं, उनमें गरीबी उन्मूलन के लिये भी व्यापक योजनाएं बनायी गयी है। विगत ग्यारह वर्ष एवं मोदी के तीसरे कार्यकाल में ऐसी गरीब कल्याण की योजनाओं को लागू किया गया है, जिससे भारत के भाल पर लगे गरीबी के शर्म के कलंक को धोने के सार्थक प्रयत्न हुए है एवं गरीबी की रेखा से नीचे जीने वालों को ऊपर उठाया गया है। वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया। उनके नेतृत्व में सरकार ने गरीबी के खिलाफ लड़ाई को केवल कल्याण योजनाओं तक सीमित न रखकर आत्मनिर्भरता के आंदोलन में बदल दिया। जनधन-आधार-मोबाइल ट्रिनिटी ने गरीबों को औपचारिक बैंकिंग से जोड़ा, जिससे पारदर्शिता बढ़ी और प्रत्यक्ष लाभ अंतरण के माध्यम से करोड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिला। प्रधानमंत्री आवास योजना ने गरीबों के सिर पर छत का सपना साकार किया और अब तक चार करोड़ से अधिक घरों का निर्माण हुआ है। उज्ज्वला योजना ने गरीब महिलाओं को धुएं से मुक्त जीवन दिया और यह योजना केवल गैस सिलेंडर नहीं, बल्कि समानता और सम्मान का प्रतीक बनी। आयुष्मान भारत और प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना ने महामारी के कठिन दौर में गरीबों को सुरक्षा कवच दिया, वहीं आत्मनिर्भर भारत अभियान ने गरीबी उन्मूलन का दीर्घकालिक रास्ता रोज़गार, कौशल और स्वाभिमान के माध्यम से खोला। प्रधानमंत्री का यह कथन इस दृष्टिकोण को स्पष्ट करता है-गरीबी को खत्म करने के लिए सरकार नहीं, समाज को भी संवेदनशील बनना होगा। जब हर गरीब का सपना हमारा सपना बनेगा, तभी समृद्ध भारत बनेगा।

गरीबी केवल सरकारी योजनाओं से नहीं मिटेगी; इसके लिए एक व्यापक मानव-केंद्रित सोच की आवश्यकता है। शिक्षा को अधिकार नहीं, अवसर बनाना होगा, हर व्यक्ति को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण मिलना चाहिए। समान आर्थिक अवसरों की व्यवस्था होनी चाहिए ताकि शहरी और ग्रामीण भारत के बीच की खाई घटे। पूंजी का उद्देश्य केवल मुनाफा नहीं, बल्कि सामाजिक कल्याण भी होना चाहिए। साथ ही, महात्मा गांधी के शब्दों में, 卐गरीबी सबसे बड़ी हिंसा है''-यह भावना हमारे सामाजिक चरित्र में उतरनी चाहिए। जब तक समाज करुणा और साझेदारी की भावना नहीं अपनाएगा, तब तक गरीबी का अंत संभव नहीं। भारत आज गरीबी उन्मूलन का एक आदर्श मॉडल प्रस्तुत कर रहा है-जहाँ विकास का अर्थ केवल जीडीपी नहीं, बल्कि गरीब का उत्थान है। यह संदेश दुनिया के लिए भी प्रेरणा है कि यदि सबसे बड़ा लोकतंत्र करोड़ों लोगों को गरीबी से ऊपर उठा सकता है, गरीब मुक्त भारत के सपने को आकार दे सकता है तो वैश्विक समुदाय भी एकजुट होकर यह कर सकता है। गरीबी केवल एक आर्थिक आंकड़ा नहीं, यह मानवता की परीक्षा है। जब तक दुनिया के किसी कोने में कोई व्यक्ति भूखा सोएगा, तब तक सभ्यता का विकास अधूरा रहेगा। अंतरराष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस हमें यह स्मरण कराता है कि सच्ची प्रगति वही है, जिसमें समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति के चेहरे पर मुस्कान हो। आज आवश्यकता है एक वैश्विक संकल्प की-'गरीबी नहीं, समानता हमारा धर्म बने।' जब हर राष्ट्र, हर समाज और हर व्यक्ति इस दिशा में जिम्मेदारी निभाएगा, तभी वह दिन आएगा जब गरीबी इतिहास का विषय होगी, वर्तमान का नहीं।

गरीबी व्यक्ति को बेहतर जीवन जीने में अक्षम बनाता है। गरीबी के कारण व्यक्ति को जीवन में शक्तिहीनता और आजादी की कमी महसूस होती है। गरीबी उस स्थिति की तरह है, जो व्यक्ति को अपनी इच्छानुसार कुछ भी करने में अक्षम बनानी है। गरीबी ऐसी त्रासदी एवं दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति है जिसका कोई भी अनुभव नहीं करना चाहता। एक बार महात्मा गांधी ने कहा था कि गरीबी कोई दैवीय अभिशाप नहीं है बल्कि यह मानवजाति द्वारा रचित सबसे बड़ी समस्या है। भारत में गरीबी का मुख्य कारण बढ़ती जनसंख्या, कमजोर कृषि, भ्रष्टाचार, रूढ़िवादी सोच, जातिवाद, अमीर-गरीब में ऊंच-नीच, नौकरी की कमी, अशिक्षा, बीमारी आदि हैं। एक आजाद मुल्क में, एक शोषणविहीन समाज में, एक समतावादी दृष्टिकोण में और एक कल्याणकारी समाजवादी व्यवस्था में गरीबी रेखा नहीं होनी चाहिए। यह रेखा उन कर्णधारों के लिए शर्म की रेखा है, जिसको देखकर उन्हें शर्म आनी चाहिए। यहां प्रश्न है कि जो रोटी नहीं दे सके वह सरकार कैसी? जो अभय नहीं बना सके, वह व्यवस्था कैसी? जो इज्जत व स्नेह नहीं दे सके, वह समाज कैसा? जो शिष्य को अच्छे-बुरे का भेद न बता सके, वह गुरु कैसा?

गांधी, विनोबा एवं पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने सबके उदय एवं गरीबी उन्मूलन के लिए 'अन्त्योदय' एवं 'सर्वोदय' की बात की। लेकिन राजनीतिज्ञों ने उसे निज्योदय बना दिया। जे. पी. ने जाति धर्म से राजनीति को बाहर निकालने के लिए 'संपूर्ण क्रांति' का नारा दिया। जो उनको दी गई श्रद्धांजलि के साथ ही समाप्त हो गया। 'गरीबी हटाओ' में गरीब हट गए। स्थिति ने बल्कि नया मोड़ लिया है कि जो गरीबी के नारे को जितना भुना सकते हैं, वे सत्ता प्राप्त कर सकते हैं। कैसे समतामूलक एवं संतुलित समाज का सुनहरा स्वप्न साकार होगा? कैसे मोदीजी का नया भारत निर्मित होगा?

वर्ष 2005 से 2020 तक देश में करीब 41 करोड़ लोग गरीबी रेखा से ऊपर आए हैं तब भी भारत विश्व में एकमात्र ऐसा देश है जहां गरीबी सर्वाधिक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी उन्मूलन के लिये उल्लेखनीय एवं सफलतम उपक्रम किये हैं, उन्होंने गरीबी को राष्ट्र निर्माण की केंद्र बिंदु नीति के रूप में प्रस्तुत किया।

संपादकीय

विकास दर की लय

जिस अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष यानी आईएमएफ पर पश्चिमी शक्तियों के मंसूबों के अनुरूप सुर में सुर मिलाने का आक्षेप लगता रहा है, यदि वह अब भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर दर्शाए तो इसे हम अपनी आर्थिकी की ताकत के रूप में देख सकते हैं। उल्लेखनीय है कि आईएमएफ ने वर्ष 2025-26 के लिये भारत की विकास दर के अनुमान को बढ़ाकर 6.6 कर दिया है। इस नवीनतम अपडेट से दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में देश की स्थिति और मजबूत हुई है। दरअसल, अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष ने यह संशोधन लचीली घरेलू खपत, मजबूत सेवा निर्यात और स्थिर सार्वजनिक निवेश के दृष्टिगत किया है। यह सुखद ही कहा जाएगा कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के मनमाने और भारी-भरकम टैरिफ का कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव भारतीय अर्थव्यवस्था पर दृष्टिगोचर नहीं होता है। लेकिन इस आशावाद के बावजूद हमें अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य की वास्तविकता का भी ध्यान रखना चाहिए। जिसके मूल में तमाम व्यापारिक व्यवधान, अमेरिकी टैरिफ वृद्धि और सख्त वित्तीय स्थितियों जैसे घटक भी शामिल हो सकते हैं। जो प्रत्यक्ष व परोक्ष रूप से कहीं न कहीं भारत की आर्थिक गति को प्रभावित कर सकते हैं। निर्विवाद रूप से भारत की अर्थव्यवस्था में आईएमएफ का भरोसा, मजबूत भारतीय घरेलू बाजार, राजकोषीय अनुशासन और औद्योगिक प्रतिस्पर्धात्मकता में वृद्धि के उद्देश्य से किए गए सुधारात्मक उपायों के चलते जगा है। वहीं दूसरी ओर बुनियादी ढांचे पर खर्च, डिजिटल परिवर्तन को प्रोत्साहन और बेहतर कर संग्रह ने व्यापक आर्थिक बुनियादी ढांचे को मजबूत ही किया है। हालांकि निर्यात, विशेष रूप से विनिर्माण क्षेत्र, संरक्षणवादी नीतियों और कमजोर वैश्विक मांग के प्रति संवेदनशील बना हुआ है। वहीं दूसरी ओर चीन की मंदी और पश्चिमी अर्थव्यवस्थाओं द्वारा आपूर्ति श्रृंखलाओं के पुनर्संतुलन के साथ, भारत के सामने चुनौती और अवसर दोनों ही मौजूद हैं। ऐसे में भारत के लिए जरूरी है कि वह वैश्विक व्यापार में संतुलन बनाते हुए आत्मनिर्भरता की राह में कदम आगे बढ़ाए। इसमें दो राय नहीं हो सकती है कि केंद्र सरकार ने अर्थव्यवस्था की मौजूदा चुनौती को महसूस करते हुए 'मेक इन इंडिया' की मुहिम को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास एक आंदोलन के रूप में किया है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा 'मेक इन इंडिया' अभियान के तहत विनिर्माण पर खासा जोर दिया जा रहा है। इसमें केंद्र सरकार की प्राथमिकता इलेक्ट्रॉनिक्स उपकरण, सेमीकंडक्टर और हरित प्रौद्योगिकियों के लिये लक्षित प्रोत्साहनों को बढ़ावा देना है। निस्संदेह ये प्रयास कालांतर देश के औद्योगिक आधार को व्यापक रूप से मजबूत बनाने में मददगार साबित हो सकते हैं। लेकिन सरकार को इस बात का भी ध्यान रखना होगा कि हम अल्पकालिक लक्ष्यों के बजाय दीर्घकालीन जरूरतों को अपनी प्राथमिकता बनाएं। इसके लिये जरूरी है कि श्रम बाजार, भूमि अधिग्रहण में सुधार और व्यापार में कामकाज को आसानी को बढ़ावा दें। निस्संदेह, इन क्षेत्रों में गहन संरचनात्मक सुधारों की सख्त आवश्यकता होगी। वहीं दूसरी ओर केंद्र सरकार की प्राथमिकता मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की भी होनी चाहिए। महंगाई के बढ़ने से लोगों की क्रय शक्ति प्रभावित होती है, जिससे मांग व पूर्ति का संतुलन बिगड़ता है। वहीं दूसरी ओर कृषि उत्पादकता और रोजगार सृजन को भी नीतिगत एजेंडे के केंद्र में रखना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि आज भारत की आर्थिक सफलता की कहानी हमारे सतर्क आत्मविश्वास की परिणति है। देश की घरेलू अर्थव्यवस्था के लचीलेपन ने इसे कई बाहरी झटकों से बचाया है।

गरीबी के खिलाफ सबसे बड़ा हथियार है सम्मान की संस्कृति

(लेखक- अतुल गोयल)

परिवारों के सम्मान से ही मिटेगी गरीबी की लकीर

(अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस (17 अक्तूबर) पर विशेष)

गरीबी केवल आर्थिक संसाधनों की कमी नहीं है बल्कि एक बहुआयामी संकट है, जिसमें गरिमा, अवसर और सामाजिक सुरक्षा का अभाव गहराई से जुड़ा है। हर साल 17 अक्तूबर को 'अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस' के रूप में मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य गरीबी में जी रहे लोगों और व्यापक समाज के दुखों के बारे में समझ को बढ़ावा देना है। यह दिवस समरण कराता है कि मानवता के सामने सबसे बड़ी चुनौती आज भी गरीबी और उससे उपजने वाला सामाजिक अन्याय ही है। अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का इस वर्ष का विषय 'परिवारों के लिए सम्मान और प्रभावी समर्थन सुनिश्चित करके सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार को समाप्त करना' हमें यह सोचने के लिए प्रेरित करता है कि गरीबी के विरुद्ध संघर्ष केवल आर्थिक सहायता तक सीमित नहीं रह सकता बल्कि यह एक सामाजिक और नैतिक उत्तरदायित्व है, जिसमें संस्थागत ढ़ांचे और सामाजिक व्यवहार दोनों का पुनर्निर्माण आवश्यक है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, गरीबी का सीधा संबंध उन व्यवस्थाओं और सोच से है, जो गरीबों को सहयोग के बजाय नियंत्रण, निगरानी और दोषारोपण के दायरे में बांध देती हैं। गरीबी में जी रहे लोगों को अक्सर सहायता की आवश्यकता वाले मानव के रूप में नहीं बल्कि अक्षम या जिम्मेदारीहीन के रूप में देखा जाता है। यही दृष्टिकोण सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार की जड़ है। परिवारों को गरिमा से जीने का अवसर तभी मिलेगा, जब समाज उन्हें बराबरी और सम्मान की दृष्टि से देखे और संस्थाएं उन्हें सहयोगी के रूप में स्वीकार करें। इस वर्ष का विषय उस बदलाव की ओर संकेत करता है, जिसमें नीतियां और सेवाएं निगरानी से देखभाल, नियंत्रण से समर्थन और ऊपर से थोपी जाने वाली नीतियों से भागीदारीपूर्ण निर्णय की दिशा में अग्रसर हों।

दुनिया में आज भी लगभग 690 मिलियन लोग प्रतिदिन 2.15 डॉलर से कम आय पर जीवन यापन कर रहे हैं। विश्व स्तर पर लगभग 1.1 अरब लोग बहुआयामी गरीबी में फंसे हुए हैं, जिनमें स्वास्थ्य, शिक्षा और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच का अभाव है। कोविड-19 महामारी के बाद भी विश्व की बड़ी आबादी सामाजिक सुरक्षा के कवच से बाहर है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्टों के अनुसार, 4 अरब से अधिक लोग किसी न किसी रूप में असुरक्षित हैं। यह स्थिति केवल आर्थिक असमानता नहीं दर्शाती बल्कि इस बात का प्रमाण है कि वैश्विक संस्थागत ढ़ांचा अभी भी मानव गरिमा की सुरक्षा में असफल है।

सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार की जड़ें बहुत गहरी हैं। यह केवल सरकारी तंत्र या नीतियों की समस्या नहीं बल्कि एक सामाजिक सोच का प्रतिबिंब है, जो गरीबी को व्यक्तिगत विफलता मानती है। गरीब परिवारों को सहायता की जगह संदेह की निगाह से देखा जाता है। कई देशों में सामाजिक सुरक्षा या कल्याण योजनाओं के लिए पात्रता की प्रक्रियाएं इतनी जटिल हैं कि सबसे वंचित लोग ही उनसे वंचित रह जाते हैं। पहचान पत्र, दस्तावेजी प्रमाण, आय का विवरण या निवास का प्रमाण, इन औपचारिकताओं के बीच गरिमा का स्थान कहीं खो जाता है। परिणामस्वरूप गरीबी के साथ-साथ अपमान, असहायता और असमानता भी बढ़ती जाती है।

भारत जैसे विकासशील देशों में भी यह स्थिति किसी हद तक झलकती है। यहां भी लाखों परिवार सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित रहते हैं क्योंकि प्रक्रिया कठिन, तंत्र असंवेदनशील और व्यवस्था अविश्वसनीय है। सार्वजनिक वितरण प्रणाली, स्वास्थ्य बीमा, पेंशन, छात्रवृत्ति या रोजगार गारंटी जैसी योजनाएं कई बार उन्हीं तक सीमित रह जाती है, जो पहले से अपेक्षाकृत बेहतर स्थिति में हैं। ग्रामीण और शहरी गरीबों, प्रवासी मजदूरों, महिलाओं, वृद्धजनों और एकल माता-पिता वाले परिवारों को वास्तविक सहायता तक पहुंचाने में प्रशासनिक दूरी और सामाजिक उदासीनता बड़ी बाधा बनती है। यही कारण है कि गरीबी केवल आय का नहीं बल्कि सम्मान और अवसर का प्रश्न बन गई है। सामाजिक और संस्थागत दुर्व्यवहार के परिणाम गहरे और दीर्घकालिक होते हैं। जब परिवारों को अपमान, उपेक्षा और असमान व्यवहार झेलना पड़ता है तो इसका असर उनके बच्चों के विकास, शिक्षा और मानसिक स्वास्थ्य पर भी पड़ता है। पीढ़ियों तक गरीबी का चक्र चलता रहता है क्योंकि गरीबी केवल संसाधनों की कमी नहीं बल्कि आत्मविश्वास और सामाजिक स्वीकृति की भी कमी बन जाती है। जो परिवार सहायता के बजाय आरोप का सामना करते हैं, वे शासन और समाज दोनों से दूर हो जाते हैं। इससे सरकारी कार्यक्रमों की विश्वसनीयता घटती है और असमानता की खाई और गहरी होती जाती है। गरीबी उन्मूलन के लिए आवश्यक है कि परिवारों को सम्मान और सुरक्षा मिले। समाज को नियंत्रण के बजाय सहयोग की संस्कृति अपनानी होगी। संस्थानों को ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जिनमें गरीबों की आवाज शामिल हो। नीतियों और योजनाओं का निर्माण उन्हीं लोगों की भागीदारी से होना चाहिए, जिन पर उनका प्रभाव पड़ता है। जब नीति निर्माण में गरीब परिवारों की राय और अनुभव शामिल किए जाते हैं तो योजनाएं अधिक यथार्थवादी और प्रभावी बनती हैं। इसके लिए जरूरी है कि सामाजिक सुरक्षा योजनाओं को सरल और सुलभ बनाया जाए। पात्रता मानदंड पारदर्शी हों, आवेदन प्रक्रियाएं डिजिटल विभाजन से मुक्त हों और लाभार्थियों को उनकी भाषा और संस्कृति के अनुसार जानकारी दी जाए। परिवार-केंद्रित दृष्टिकोण को प्राथमिकता दी जाए, ऐसी सेवाएं, जो बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखें। शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के अवसरों को समान रूप से सुनिश्चित करना गरीबी उन्मूलन का सबसे स्थायी मार्ग है।

संस्थागत स्तर पर सबसे अहम बदलाव दृष्टिकोण का है। कल्याण योजनाओं को दया या अनुग्रह पर नहीं बल्कि अधिकार-आधारित बनाना होगा। सार्वजनिक सेवा प्रदाताओं, जैसे सामाजिक कार्यकर्ता, स्वास्थ्य कर्मी, शिक्षक या प्रशासनिक अधिकारी, को संवेदनशीलता और मानवाधिकार दृष्टिकोण से प्रशिक्षित करना आवश्यक है ताकि गरीबों के साथ किसी प्रकार का अपमानजनक या भेदभावपूर्ण व्यवहार न हो। शिकायत निवारण और जवाबदेही तंत्र भी मजबूत किए जाने चाहिए ताकि किसी परिवार के साथ अन्याय होने पर उसे न्याय का अवसर मिल सके।

भक्त के भीतर रहते हैं कृष्ण

जब भगवान चैतन्य बनारस में हरे कृष्ण महामंत्र के कीर्तन का प्रवर्तन कर रहे थे, तो हजारों लोग उनका अनुसरण कर रहे थे।

तत्कालीन बनारस के अत्यंत प्रभावशाली और विद्वान प्रकाशानंद सरस्वती उनको भावुक कहकर उनका उपहास करते थे। कभी-कभी भक्तों की आलोचना दार्शनिक यह सोचकर करते हैं कि भक्तगण अंधकार में हैं और दार्शनिक दृष्टि से भोले-भाले भावुक हैं, किंतु यह तथ्य नहीं है। ऐसे अनेक बड़े-बड़े विद्वान पुरुष हैं, जिन्होंने भक्ति का दर्शन प्रस्तुत किया है। किंतु यदि कोई भक्त उनके इस साहित्य का या अपने गुरु का लाभ न भी उठाए और यदि वह अपनी भक्ति में एकनिष्ठ रहे, तो उसके अंतर से कृष्ण स्वयं उसकी सहायता करते हैं।अत- कृष्णभावनामृत में रत एकनिष्ठ भक्त ज्ञानरहित नहीं हो सकता। इसके लिए इतनी ही योग्यता चाहिए कि वह पूर्ण कृष्णभावनामृत में रहकर भक्ति संपन्न करता रहे।

आधुनिक दार्शनिकों का विचार है कि बिना विवेक के शुद्ध ज्ञान प्राप्त नहीं किया जा सकता। उनके लिए भगवान का उत्तर है- जो लोग शुद्धभक्ति में रत हैं, भले ही वे पर्याप्त शिक्षित न हों तथा वैदिक नियमों से पूर्णतया अवगत न हों, किंतु भगवान उनकी सहायता करते ही हैं। भगवान अजरुन को बताते हैं कि मात्र चिंतन से परम सत्य भगवान को समझ पाना असंभव है, क्योंकि भगवान इतने महान हैं कि कोरे मानसिक प्रयास से उन्हें न तो जाना जा सकता है, न ही प्राप्त किया जा सकता है।

भले ही कोई लाखों वर्षो तक चिंतन करता रहे, किंतु यदि भक्ति नहीं करता, यदि वह परम सत्य का प्रेमी नहीं है, तो उसे कभी भी कृष्ण या परम सत्य समझ में नहीं आएंगे।परम सत्य, कृष्ण, केवल भक्ति से प्रसन्न होते हैं और अपनी अचिंत्य शक्ति से वे शुद्ध भक्त के हृदय में स्वयं प्रकट हो सकते हैं।शुद्धभक्त के हृदय में तो कृष्ण निरंतर रहते हैं और कृष्ण की उपस्थिति सूर्य के समान है, जिसके द्वारा अज्ञान का अंधकार तुरंत दूर हो जाता है।

विचार मंथन

वैश्विक अर्थव्यवस्था पर संकट के काले बादल, वर्ष के अंत तक बड़ा झटका संभव

(लेखक - सनत जैन)

विश्व अर्थव्यवस्था आज एक गंभीर संकट की तरफ बढ़ती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मुद्रास्फीति, बढ़ता हुआ कर्ज और राजनीतिक तनाव आर्थिक गतिविधियों पर भारी असर डाल रहे हैं। अमेरिका, जिसे 1944 के बाद से सबसे शक्तिशाली अर्थव्यवस्था माना जाता रहा, अब कर्ज के बोझ तले दब गया है। अमेरिका का कर्ज उसके सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) से 124 प्रतिशत अधिक हो गया है और देश अपने खर्चों को चलाने के लिए पुराने बॉन्ड बेचने पर निर्भर हो गया है।

वहीं, अमेरिका में लॉकडाउन और लाखों लोगों की बेरोज़गारी ने डॉलर की वैश्विक पकड़ को भी कमजोर कर दिया है। कुछ वर्षों पहले तक वैश्विक कारोबार का लगभग 75 प्रतिशत डॉलर में होता था, जो अब घटकर करीब 56 प्रतिशत रह गया है। विशेषज्ञ चेतावनी दे रहे है, यह आंकड़ा जल्द ही 50 प्रतिशत से नीचे जा सकता है, जिससे डॉलर मुद्रा को सबसे बड़ा संकट झेलना पड़ेगा।

वैश्विक आर्थिक अस्थिरता के बीच सोने और चांदी की मांग लगातार बढ़ रही है। जब भी वैश्विक अर्थव्यवस्था में अस्थिरता दिखाई देती है, तो निवेशक सुरक्षित विकल्प की तलाश में सोने की ओर रुख करते हैं। 2008 की अमेरिकी मंदी के बाद से दुनिया के फेडरल बैंकों ने बड़े पैमाने पर सोना खरीदा और अपने खजाने में रखा।

उस समय अमेरिका के पास लगभग 20,000 टन सोना था, जो अब घटकर मात्र 8,200 टन रह गया है। वहीं, चीन और भारत जैसे देशों में सोने का भंडार पिछले 15 वर्षों में लगातार बढ़ा है। बिटकॉइन और अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी अर्थव्यवस्था में निवेश के नए विकल्प बनते जा रहे हैं।

बिटकॉइन की कीमत पिछले एक साल में लगभग दोगुनी होकर 52 लाख रुपए से 1.1 करोड़ रुपए तक पहुंच गई है, लेकिन क्रिप्टो अभी भी सबसे जोखिम भरी मुद्रा मानी जाती है। एथेरियम, सोलाना, डोजकॉइन जैसी अन्य क्रिप्टोकरेंसी भी बाजार में सक्रिय हैं और वैश्विक अस्थिरता को बढ़ाने का कारक बन सकती हैं।

विश्वविख्यात लेखक और आर्थिक विशेषज्ञ रॉबर्ट कियोसाकी, जिन्होंने 'रिच डैड पुअर डैड' जैसी चर्चित किताबें लिखी हैं, का मानना है कि बैंकों में पैसा रखना सुरक्षित विकल्प नहीं है। उनका कहना है कि 2026 के अंत तक कर्ज और मुद्रास्फीति के कारण वैश्विक अर्थव्यवस्था पर गंभीर संकट आना तय माना जा सकता है। ऐसे समय में निवेशकों को अपनी पूंजी का संरक्षण करना चाहिए। कियोसाकी के अनुसार, नगदी को छोड़कर निवेश सोने, चांदी, म्युचुअल फंड और शेयर बाजार जैसे विकल्पों में किया जाना चाहिए, जहां अल्पकालिक उतार-चढ़ाव का जोखिम कम हो।

पिछले 30 वर्षों में वैश्विक कर्ज की गंगा लगातार तेजी के साथ बढ़ती रही है। विश्व के सभी देशों की सरकारें, राज्य सरकारें, स्थानीय संस्थाएँ और यहां तक कि 80-90 फीसदी परिवार भी कर्ज में डूब चुके हैं। आमदनी के मुकाबले खर्च लगातार बढ़ रहा है। अमेरिका जैसे विकसित देशों का कर्ज बेहिसाब बढ़ रहा है। अमे रिका ने ईराक से लेकर अभी तक सैकड़ों प्र तिबंध लगाकर डालर से कारोबार रोकन और डालर जप्त करने का जो खेल खेला है, उससे डालर की विश्वसनीयता अन्तर्राष्ट्रयी स्तर पर समाप्त होने से डॉलर का प्रभुत्व लगातार घट रहा है। इसके कारण ब्रिक्स देशों की मुद्रा, यूरो, चीन का युआन और अन्य अंतरराष्ट्रीय मुद्रा विकल्पों के बीच प्रतिस्पर्धा तेज हो गई है। इस परिदृश्य में सोना और चांदी न केवल सुरक्षित निवेश बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्रा और वैश्विक कारोबार में स्वीकार्य विकल्प के रूप में उभर रहे हैं।

विशेषज्ञ मानते हैं, भविष्य में सोना वैश्विक मुद्रा के रूप में प्रमुख भूमिका निभा सकता है। वर्तमान आर्थिक और राजनीतिक अस्थिरता को देखते हुए निवेशकों और आम नागरिकों के लिए यह जरूरी है। वह अपने धन को सुरक्षित क्षेत्रों में निवेश करें। विविध क्षेत्रों में सोच-समझकर निवेश करने से न केवल आर्थिक संकट के समय नुकसान कम होगा, बल्कि संपत्ति की सुरक्षा भी सुनिश्चित होगी। वर्तमान आर्थिक संकेतों के आधार पर कहा जा सकता है।

इस वर्ष के अंत तक वैश्विक अर्थव्यवस्था पर बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। निवेशकों को समय रहते तैयार रहना चाहिए। भारत के उपर भी कर्ज 4 गुना बढ़ गया है। बैंकों की आ र्थिक स्थिति ठीक नहीं है। ऐसी स्थिति में वि विध निवेश में समझदारी है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

मुंबई में चांदी की कीमत 2 लाख पार

चांदी के एडवांस सौदे बंद, सोना गिरवी रखकर चांदी खरीद रहे

मुंबई धनतेरस और दीपावली के पहले चांदी की कीमतों में बेत हासा तेजी देखने को मिल रही है।चांदी बाजार में तहलका मच गया है। चांदी की आपूर्ति कम होने और मांग ज्यादा होने से मनमाने दामों पर चांदी बिक रही है। वायदा बाजार की तुलना में वायदा बाजार की चांदी ₹30000 किलो महंगी बिक रही है। जिस तरह से रेट बढ़ते चले जा रहे हैं। उसके बाद एडवांस बुकिंग बंद हो गई है। मुंबई के झवेरी बाजार की हालत इन दोनों चांदी की तेजी के कारण देखने लायक है। ज्वेलर्स ने चांदी का आर्डर लेना बंद कर दिया है। 2 लाख रूपये किलो से ज्यादा दाम पर खरीददार चांदी खरीद रहे हैं।इसको देखते हुए यह कहा जा सकता है, चांदी का अब कोई रेट नहीं रह गया है। जो विक्रेता कीमत मांगता है,उसे वह कीमत मिल जाती है।मुँहमांगे दामो में चांदी बिक रही है। वैश्विक बाजार में चांदी की कीमत 53 डॉलर प्रति ओन्स है। जबकि मुंबई में चांदी ₹200000 प्रति किलो से ऊपर में बिकने लगी है। जयपुर में भी चांदी के सिक्के की कीमत ₹2000 के ऊपर हो गई है। पिछले साल यह ₹1100 कीमत पर चांदी का सिक्का बिक रहा था। उस हिसाब से चांदी की कीमत पिछले साल की तुलना में डबल हो गई है। हर बाजार में अलग-अलग दाम, मध्य प्रदेश के भोपाल में चांदी की कीमत 1,86,000 प्रति किलो है। अन्य राज्यों में भी 180000 से लेकर 2 लाख 20 हजार तक चांदी प्रति किलो बिक रही है। चांदी का उत्पादन और आपूर्ति मांग की तुलना में बहुत कम होने से चांदी के दाम निरंतर बढ़ते चले जा रहे हैं। सोने और चांदी को लेकर आम आदमी अपना निवेश बैंकों से निकालकर सोने- चांदी में निवेश।कर रहा है। सोने की मांग दुनिया के सभी फेडरल बैंकों से बनी हुई है। आम आदमी भी सोने और चांदी पर अपना निवेश बढ़ा रहा है। जिसके कारण सोने और चांदी के दामों में एक तरह से आग लगी हुई है।सोना गिरवी रख, चांदी खरीदी,अब तो लोग सोना गिरवी रखकर चांदी खरीद रहे हैं। चांदी में जिस तरह से तेजी देखने को मिल रही है। उसने सभी को आश्चर्यचकित कर दिया है।एक ब्रोकरेज फॉर्म ने दावा किया है, 2027 तक चांदी के दाम 75 से 77 डॉलर प्रति ओन्स तक पहुंच सकते हैं। भारतीय मुद्रा में चांदी के दाम लगभग 2,45,000 प्रति किलो पर पहुंचने की धारणा व्यक्त की जा रही है। जिसके कारण भारत में सोने एवं चांदी के दामों में लगातार तेजी देखने को मिल रही है। वर्तमान स्थिति में कोई भी गुणा भाग और कोई विशेषज्ञता काम नहीं आ रही है।

जनवरी से अगस्त के बीच चाय का निर्यात 2.2 प्रतिशत बढ़ा

कोलकाता देश से चाय का निर्यात जनवरी से अगस्त के बीच 2.2 प्रतिशत बढ़कर 17.44 करोड़ किलोग्राम हो गया। पिछली साल इसी अवधि में यह 17.06 करोड़ किलो रहा था। चाय बोर्ड द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, इस अवधि के दौरान उत्तर भारत से निर्यात 11.31 करोड़ किलो रहा, जबकि पिछली साल इसी अवधि में यह 9.91 करोड़ किलो था। दक्षिण भारत से 2025 के पहले आठ महीनों के दौरान निर्यात की मात्रा 6.128 करोड़ किलो रही जबकि 2024 की इसी अवधि में यह 7.14 करोड़ किलोग था। जनवरी से अगस्त 2025 के दौरान निर्यात का मूल्य 5143.56 करोड़ रुपये रहा जो 2024 की इसी पिछली अवधि में 4461.95 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2024-25 में चाय का निर्यात 25.78 करोड़ किलोग्राम रहा था।

पावर मेक प्रोजेक्ट्स को मिला बीएचईएल से 2,500 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली बुनियादी ढांचा क्षेत्र की कंपनी पावर मेक प्रोजेक्ट्स को सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड (बीएचईएल) से 2,500 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। कंपनी के कहा कि यह ठेका 1म800 मेगावाट सिंगरेनी थर्मल संयंत्र में इंजीनियरिंग, खरीद व निर्माण (ईपीसी) आधार पर संयंत्र पैकेज के संतुलन के निष्पादन के लिए है। कंपनी के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परियोजना हमारी मजबूत ऑर्डर बुक को और मजबूत करेगी। साथ ही हमारी रणनीतिक विकास दृष्टि के अनुरूप इंजीनियरिंग, खरीद एवं निर्माण में कंपनी की मुख्य क्षमताओं को सुदृढ़ करेगी।

ट्रंप के टै रिफ से भारत का अमेरिकी निर्यात 12 फीसदी लुढ़का, चीन-यूएई से बढ़त

व्यापार घाटा एक साल में सबसे ज्यादा, सोना-खाद का आयात तेज

नई दिल्ली

सितंबर में अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ का असर भारत के निर्यात पर दिखने लगा है।अमेरिका को भारतीय सामान का निर्यात 12 फीसदी घट गया है।

यह टैरिफ 27 अगस्त से लागू हुए थे, जिसका व्यापक असर अक्टूबर में और अधिक दिखाई दे सकता है। हालांकि चीन और यूएई को निर्यात बढ़ने से कुल निर्यात 6.74 फीसदी बढ़कर 36.38 अरब डॉलर हो गया है, जो पिछले वर्ष इसी समय 34.08 अरब डॉलर था।

एक रिपोर्ट के अनुसार, यूएई को निर्यात 24.33 फीसदी और चीन को 34.18 फीसदी बढ़ा है परंतु इन दोनों देशों से आयात में भी तेजी आई है। चीन से 32.83 फीसदी और यूएई से 16.35 फीसदी आयात बढ़ा है। कुल व्यापार घाटा बढ़कर 31.15 अरब डॉलर हो गया, जो एक साल में सबसे अधिक है। सोने का आयात दोगुना होकर 9.6 अरब डॉलर पहुंच गया है जबकि खाद का आयात 202 फीसदी बढ़कर 2.3 अरब डॉलर हो गया। पेट्रोलियम आयात में 5.85 फीसदी की गिरावट हुई है। अमेरिका से कच्चा तेल आयात भी घटकर 12-13 अरब डॉलर रह गया है, जो पहले 25 अरब डॉलर था। सर्विस एक्सपोर्ट 5 फीसदी गिरकर 30.82 अरब डॉलर रहा। कपड़ा, जूट, कालीन और हस्तशिल्प निर्यात में 5-13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है। कपड़ा, जूट, कालीन और हस्तशिल्प निर्यात में 5-13 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई है।

कपड़ा उद्योग से जुड़े 85 फीसदपी व्यापारियों का माल अटका है और उन्हें भारी छूट देकर बेचना पड़ रहा है।

सार्वजनिक बैंकों का बड़ा मर्जर, 2026 तक बन सकती है नई बैंकिंग तस्वीर

नई दिल्ली भारत में एक और बैंकिंग क्रांति की तैयारी हो रही है। सरकार 2026-27 तक चार छोटे सार्वजनिक बैंकों इंडियन ओवरसीज बैंक (आईओबी), सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया (सीबीआई), बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) और बैंक ऑफ महाराष्ट्र (बीओएम) को तीन बड़े बैंकों स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई), पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और बैंक ऑफ बड़ौदा (बीओबी) में मिलाने की योजना बना रही है। इस मेगा मर्जर का उद्देश्य सरकारी बैंकों की संख्या घटाकर उन्हें मजबूत, दक्ष और वैश्विक प्रतिस्पर्धा के योग्य बनाना है। फिलहाल यह योजना प्रारंभिक चरण में है और रिकॉर्ड ऑफ डिस्कशन नामक रिपोर्ट तैयार की जा रही है। इससे पहले भी 2017-2020 में ऐसे मर्जर से बैंकों को मजबूती मिली थी। फिनटेक और निजी बैंकों से मिल रही चुनौती के चलते सरकार अब सार्वजे निक बैंकों को तकनीकी रूप से और सक्षम बनाना चाहती है।

अमेरिका में गौतम अदाणी केस पर लगी रोक

अमेरिकी शटडाउन के चलते सेक की कार्रवाई रुकी

नई दिल्ली अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (सेक) ने अदाणी ग्रुप चेयरमैन गौतम अदाणी पर लगाए गए धोखाधड़ी के आरोपों वाला मुकदमा अमेरिकी संघीय सरकार के शटडाउन के कारण अस्थायी रूप से रोक दिया है। एक रिपोर्ट के अनुसार अदाणी को नवंबर 2024 में ब्रुकलिन के अभियोजकों ने 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत स्कीम और धोखाधड़ी में शामिल होने के आरोप में अभियुक्त बनाया था। सेक ने एक सिविल केस दायर कर आरोप लगाया है कि गौतम और सागर अदाणी ने अमेरिकी प्रतिभूति कानूनों का उल्लंघन करते हुए निवेशकों को भ्रामक जानकारी दी। 10 अक्टूबर की दाखिल रिपोर्ट में सेक ने कहा कि उनका वकील सरकारी फर्लो पर है, इसलिए वह इस केस पर काम नहीं कर पा रहा। यूएस मजिस्ट्रेट जज ने सेक के अनुरोध को स्वीकार करते हुए निर्देश दिया कि शटडाउन समाप्त होने के 30 दिनों के भीतर सरकार एक स्टेटस रिपोर्ट दाखिल करे। ध्यान देने वाली बात है कि आपराधिक कार्यवाही शटडाउन से प्रभावित नहीं हुई है, हालांकि अभी तक किसी भी आरोपी ने अदालत में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई है। अमेरिकी अभियोजकों ने आरोप लगाया है कि अदाणी और उनके सहयोगियों ने 2021 में भारतीय अधिकारियों को 250 मिलियन डॉलर की रिश्वत देने की योजना बनाई थी ताकि सौर ऊर्जा अनुबंध हासिल किए जा सके। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी निवेशकों से 175 मिलियन डॉलर जुटाए, जबकि कथित कदाचार की जानकारी छिपाई गई। सिक्यूटरों ने गौतम और सागर अदाणी समेत कुल आठ लोगों पर अमेरिकी विदेशी भ्रष्ट आचरण अधिनियम का उल्लंघन करने की साजिश रचने का आरोप लगाया है। सेक के लिए भारतीय अभियुक्तों को कानूनी समन भेजने के लिए भारत के विधि और न्याय मंत्रालय के साथ सहयोग आवश्यक है, जो हेग सर्विस कन्वेंशन के अंतर्ग होता है।

शेयर बाजार बढ़त के साथ बंद

सेंसेक्स 862, निफ्टी 261 अंक ऊपर आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार गुरुवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। बाजार में ये तेजी दुनिया भर के बाजारों से मिले अच्छे संकेतों के साथ ही बैंकिंग व दिगज कंपनियों के शेयरों में खरीददारी हावी रहने से आई है। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स अंत में 862.23 अंक बढ़कर 83,467.66 और 50 शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 261.75 अंक ऊपर आकर 25,585.30 पर बंद हुआ। निफ्टी बैंकिंग इंडेक्स 622.65 अंक की मजबूती के साथ 57,422.55 पर था। वहीं निफ्टी ऑटो इंडेक्स 0.37 फिसदी, निफ्टी फाइनेंशियल सर्विसेज 1.14 फीसदी, निफ्टी एफएमसीजी 2.02 फीसदी, निफ्टी रियल्टी 1.90 फीसदी, निफ्टी एनर्जी 0.42 फीसदी और निफ्टी सर्विसेज 0.83 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। मिडकैप और स्मॉलकैप में भी खरीदारी रही। । निफ्टी मिडकैप 100 इंडेक्स 271.15 अंक बढ़कर 59,241.15 और निफ्टी स्मॉलकैप 100 इंडेक्स 43.80 अंक ऊपर आकर 18,131.85 पर बंद हुआ।

सेंसेक्स पैक में इटरनल और इन्फोसिस के शेयर गिरे हैं। वहीं कोटक महिंद्रा बैंक, टाइटन, एक्सिस बैंक, अदाणी पोर्ट्स, एमएंडएम, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक, एचयूएल, ट्रेंट, एशियन पेंट्स, आईसीआईसीआई बैंक, आईटीसी, एचसीएल टेक, एलएंडटी और मारुति सुजुकी के शेयर उछले हैं।

इससे पहले आज सुबह सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 407.67 अंक उछलकर 83,013.10 अंक पर और एनएसई निफ्टी 104 अंक की

बढ़त के साथ 25,427.55 अंक पर कारोबार कर रहा था। दूसरी ओर एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और शंघाई का एसएसई कम्पोजिट लाभ में जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान में रहा जबकि अमेरिकी बाजार बुधवार को बढ़त के साथ बंद हुए। अंतरराष्ट्रीय मानक ब्रेंट क्रूड 0.76 फीसदी की बढ़त के साथ 62.38 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर रहा।

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) बुधवार को लिवाल रहे थे और उन्होंने शुद्ध रूप से 68.64 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने भी 4,650.08 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

खाद्य तेल आयात सितंबर में 51 फीसदी उछला, रिफाइंड तेलों का आयात घटा

नई दिल्ली

कच्चे पामतेल (सीपीओ) की खेप बढ़ने से भारत का वनस्पति तेल आयात सितंबर में 16.39 लाख टन तक पहुंच गया, जो पिछले साल की अपेक्षा 51 फीसदी अधिक है।

वहीं रिफाइंड तेल का आयात वर्ष 2021 के बाद पहली बार शून्य देखा गया। सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एसईए के मुतो बिक सितंबर 2023 में खाद्य और अखाद्य तेलों सहित कुल आयात 10.87 लाख टन था। रिफाइंड तेल का आयात घटने का कारण सरकार द्वारा कच्चे पाम तेल और रिफाइंड आरबीडी पामोलिन के बीच आयात शुल्क अंतर 8.25 प्रतिशत से बढ़ाकर 19.25 प्रतिशत कर देना है, जो 31 मई से प्रभावी है। एसईए ने इसे सरकार का साहसिक और समयोचित कदम बताया। इस बदलाव से मांग कच्चे तेल की ओर मुड़ गई, जिससे घरेलू रिफाइनिंग क्षेत्र को नई जान मिली। सितंबर में रिफाइंड आरबीडी पामोलिन का आयात शून्य रहा, जबकि पिछले साल सितंबर में यह 84,279 टन था। सालाना आंकड़ों के अनुसार, भारत ने इस महीने 16.04 लाख टन खाद्य तेल और 35,100 टन अखाद्य तेल का आयात किया।

कच्चे पाम तेल का आयात पिछले साल के 4.32 लाख टन से बढ़कर 8.24 लाख टन हो गया, कच्चे सूरजमुखी तेल का आयात 1.52 लाख टन से बढ़कर 2.72 लाख टन रहा, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल का आयात 3.84 लाख टन से बढ़कर 5.03 लाख टन हुआ।

वहीं, कच्चे पाम कर्नेल तेल का आयात घटकर 4,255 टन रह गया। भारत, दुनिया का सबसे बड़ा खाद्य तेल आयातक, मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल, अर्जेंटीना, ब्राजील और रूस से सोयाबीन तेल और रूस व यूक्रेन से सूरजमुखी तेल प्राप्त करता है।

ताइवान की चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा 40 प्रतिशत बढ़ा

हांगकांग ताइवान की अग्रणी कंप्यूटर चिप विनिर्माता कंपनी टीएसएमसी का मुनाफा जुलाई-सितंबर तिमाही में करीब 40 प्रतिशत बढ़ गया। ताइवान सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कॉर्पोरेशन दुनिया की सबसे बड़ी सेमीकंडक्टर विनिर्माता कंपनी है। जुलाई-सितंबर तिमाही में इसने रिकॉर्ड 452.3 अरब नए ताइवान डॉलर (15 अरब डॉलर) का मुनाफा दर्ज किया, जो विश्लेषकों के अनुमान से कहीं अधिक है। कंपनी ने पहले कहा था कि पिछली तिमाही में उसका राजस्व सालाना आधार पर 30 प्रतिशत बढ़ा है। टीएसएमसी चीन-अमेरिका व्यापार तनाव से उत्पन्न जोखिमों से बचाव के लिए अमेरिका और जापान में चिप विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। यह चिप विनिर्माता कंपनी एप्पल एवं एनवीडिया जैसी कंपनियों के लिए एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। कंपनी ने अमेरिका में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई है। इसमें एरिजोना में नए कारखाने बनाना भी शामिल है। इसके अलावा कंपनी ने पहले 65 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतबद्धता जाहिर की है।

एफएसएसएआई का सख्त निर्देश.....किसी भी खाद्य उत्पाद ओआरएस शब्द का प्रयोग पूरी तरह बंद

नई दिल्ली

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के खाद्य आयुक्तों को नया निर्देश जारी किया है, नए आदेश में स्पष्ट किया गया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद (चाहे वह फ्रूट-बेस्ड, नॉन-कार्बोनेटेड या रेडी-टू-ड्रिंक बेवरेज हो) के नाम या ब्रांड में ओआरएस शब्द का प्रयोग अब पूरी तरह बंद रहेगा। एफएसएसएआई ने कहा कि यह आदेश पहले के दो आदेशों (14 जुलाई 2022 और 2 फरवरी 2024) को सुपरसिड करता है, यानी अब वे आदेश रद्द माने जाएंगे।

पहले आदेशों के तहत कुछ कंपनियों को ब्रांड नाम में ओआरएस शब्द का उपयोग करने की अनुमति थी, बशर्ते वे अपने लेबल पर यह चेतावनी दें कि यह उत्पाद डब्ल्यूएचओ द्वारा अनुशंसित ओआरएस फॉर्मूला नहीं है। लेकिन अब एफएसएसएआई ने साफ कर दिया है कि किसी भी खाद्य उत्पाद के नाम, ब्रांड या लेबल पर ओआरएस शब्द का उपयोग (चाहे वह किसी प्रिफिक्स या सफिक्स के साथ ही क्यों न हो) खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2006 और उसके अंतर्गत बने नियमों का उल्लंघन है।

एफएसएसएआई ने कहा कि इस तरह के नाम या लेबल उपभोक्ताओं को भ्रामक, भेदक और गलत जानकारी देते हैं। इसतरह के उत्पाद धारा 23 और 24, खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006, उप-विनियमन 4(3) और 5(1), खाद्य सुरक्षा और मानक (लेबलिंग और प्रदर्शन) विनियम, 2020, उप-विनियमन 4(1) और 4(13), खाद्य सुरक्षा और मानक (विज्ञापन और दावे) विनियम 2018 धाराओं का उल्लंघन करते हैं। इन प्रावधानों के उल्लंघन पर उत्पाद को मिसब्रांडेड और मिसलीडिंग माना जाएगा, जिसके लिए धारा 52 और 53 के तहत सजा और जुर्माना का प्रावधान है।

भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम बनी नई चुनौती

नई दिल्ली

पिछले दो महीनों में पेट्रोल वाहनों के मेंटेनेंस खर्च दोगुना हो गया है। भारत में ई20 फ्यूल को बढ़ावा देने की मुहिम अब कार मालिकों और बीमा कंपनियों के लिए नई चुनौती बनती जा रही है। यह खर्च अगस्त में 28प्रतिशत था, जो अक्टूबर में बढ़कर 52प्रतिशत तक पहुंच गया।

यह जानकारी लोकल सर्कल्स के एक सर्वे में सामने आई। रिपोर्ट में कहा गया है कि पहले से ही महंगे पेट्रोल दामों से परेशान ग्राहकों पर इन बढ़े हुए खर्चों ने आर्थिक दबाव बढ़ा दिया है। सर्वे में कई वाहन मालिकों ने कहा कि अगर ई20 फ्यूल को ऑप्शनल रखा जाए और इसकी कीमत 20प्रतिशत कम की जाए, तो वे इसका समर्थन करेंगे। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि यह भावना पर्यावरण विरोधी नहीं है, बल्कि वाहन मालिकों पर अचानक थोपे गए बदलाव के कारण उत्पन्न हुई है। बीमा विशेषज्ञों का मानना है कि ई20 फ्यूल के कारण होने वाले नुकसान अक्सर मोटर इंश्योरेंस पॉलिसी में कवर नहीं होते। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, अगर किसी वाहन को ई20 फ्यूल से नुकसान हुआ, तो इसे रासायनिक जंग या मैकेनिकल घिसावट माना जाता है, न कि दुर्घटना।

ऐसे मामलों में बीमा कवरेज आमतौर पर लागू नहीं होता। हालांकि, अगर इंजेक्टर खराब होने से इंजन में आग लगती है, तो यह विवाद का मामला बन सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि बीमा पॉलिसी में बदलाव की आवश्यकता है, ताकि इथेनॉल से जुड़े नुकसान और अपवादों को स्पष्ट रूप से परिभाषित किया जा सके।

ऐसा न होने पर भविष्य में यह विवादों का कारण बन सकता है कि कौन-सा नुकसान बीमा में कवर होगा और कौन-सा नहीं। केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी का कहना है कि ई20 फ्यूल पर आ रही शिकायतें गलत जानकारी पर आधारित हैं। सरकार का दावा है कि ई20-कंपैटिबल वाहन 2023 से ही उपलब्ध हैं और इथेनॉल कार्यक्रम भारत के स्वच्छ ईंधन, कम आयात, और किसानों की आय बढ़ाने के लक्ष्य को आगे बढ़ाता है।

भारत में लांच होगी डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर

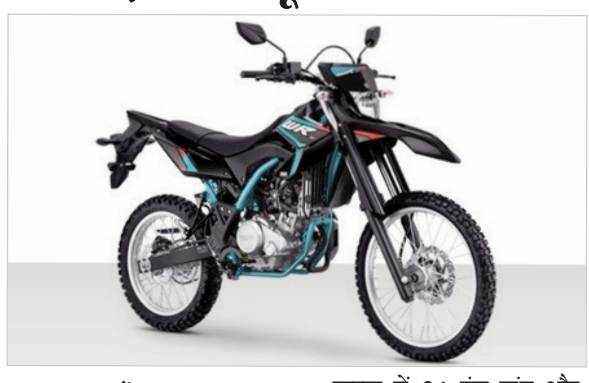

बेंगलुरु

भारतीय सड़कों पर यामाहा मोटर इंडिया अपनी बहुप्रतीक्षित डुअल-स्पोर्ट बाइक डब्ल्यूआर 55 आर को जल्द उतारने की तैयारी में है। उम्मीद है कि यह यामाहा के 11 नवंबर 2025 को होने वाले इवेंट से ठीक पहले का प्रमोशनल शूट हो सकता है। हाल ही में बेंगलुरु में इस बाइक के स्पाई शॉट्स सामने आए हैं, जिनमें यह बिना किसी कवर के दिखाई दी।

इस इवेंट में कंपनी अपनी रेट्रो-स्टाइल बाइक एक्सएसआर-155 को भी पेश कर सकती है। स्पाई तस्वीरों में डब्ल्यूआर 55 आर रेसिंग ब्लू कलर में नजर आई, जो यामाहा की सिग्नेचर स्कीम है। इसका लुक इंटरनेशनल मॉडल जैसा ही है लंबा ग्राउंड क्लियरेंस, ऊँचा स्टांस और रग्ड डिजाइन इसे एडवेंचर लवर्स के लिए आकर्षक बनाते हैं।

बाइक में 21-इंच फ्रंट और 18-इंच रियर व्हील्स के साथ नॉबी डुअल-पर्पज़ टायर दिए गए हैं, जो ऊबड़-खाबड़ रास्तों पर बेहतरीन पकड़ सुनिश्चित करते हैं। इसमें 155सीसी लिक्विड-कूल्ड, 4-वॉल्व इंजन है जो वीवीए तकनीक से लैस है। यही इंजन यामाहा आर15 और एमटी-15 में भी इस्तेमाल किया गया है। यह करीब 16.7 पीएस पावर और 14.3 एनएम टॉर्क उत्पन्न करता है। बाइक में 6-स्पीड गियरबॉक्स और दोनों पहियों पर डिस्क ब्रेक दिए गए हैं। इसका वजन करीब 134 किलोग्राम है, जिससे यह हल्की और नियंत्रित राइडिंग के लिए उपयुक्त बनती है।

डब्ल्यूआर 55 आर में फुली डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इलेक्ट्रिक स्टार्ट और 8.1 लीटर का फ्यूल टैंक है। भारत में लॉन्च के बाद इसका मुकाबला हीरो एक्सपल्स 200 और कावासाकी केएलएक्स 230 से होगा।

भारतीय शेयर बाजारों में फिर लौटे विदेशी निवेशक

मुंबई

भारतीय शेयर बाजारों में महीनों की बिकवाली के बाद विदेशी निवेशकों का भरोसा फिर से बढ़ा है।

एनएसडीएल के आंकड़ों के अनुसार, 7 से 14 अक्टूबर के बीच, विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) पिछले सात कारोबारी सत्रों में से पांच में शुद्ध खरीदार रहे और उन्होंने सेकेंडरी मार्केट में 3,000 करोड़ रुपए से अधिक के शेयर खरीदे। आंकड़ों के अनुसार, प्राइमरी मार्केट में उनकी खरीदारी और अधिक रही और यह 7,600 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई। डेटा से पता चलता है कि एफआईआई ने 15 अक्टूबर को अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा और 162 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे।

अक्टूबर की शुरुआत से, सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों में करीब 3 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि बीएसई मिडकैप सूचकांक 3.4 और स्मॉलकैप सूचकांक 1.7 प्रतिशत बढ़ा है।

कुछ विश्लेषक इस घटनाक्रम को अल्पकालिक उछाल के रूप में देखते हैं, जबकि अन्य का मानना है कि यह कॉर्पोरेट आय की बेहतर संभावनाओं और भारत में स्थिर आर्थिक स्थितियों को दिखाता है। यह बदलाव इस वर्ष की शुरुआत में देखी गई भारी निकासी के बिल्कुल उल्ट है। इस वर्ष जनवरी से सितंबर तक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सेकेंडरी मार्केट में 2 लाख करोड़ रुपए से अधिक मूल्य के शेयर बिकी किए। यह तब हुआ जब भारतीय रिजर्व बैंक और मोदी सरकार ने विकास को समर्थन देने के लिए कई कदम उठाए, जिसमें विशेष रुप से जीएसटी रेट कट, जून में रेपो दर में भारी कमी और एसएंडपी द्वारा भारत की सॉवरेन क्रेडिट रेटिंग में सुधार शामिल है। उस दौरान, भारतीय बाजार वैश्विक प्रतिस्पर्धियों से पिछड़ गए। वर्तमान में बढ़ते अमेरिका-चीन तनाव के बीच भारत-अमेरिका व्यापार समझौते की उम्मीदों से माहौल सुधर रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पहले एकदिवसीय में रोहित, विराट सहित इन खिलाड़ियों का खेलना तय

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय टीम अभी एकदिवसीय और टी20 सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया में है। भारतीय टीम को पहला एकदिवसीय 19 अक्टूबर को पर्थ में खेलना है। इसके लिए भारतीय टीम की अंतिम ग्यारह में अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली और सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा की जगह तय मानी जा रही है। ये दोनो ही बल्लेबाज करीब छह महीने के बाद खेलते नजर आयेंगे।

पहले एकदिवसीय में पारी की शुरुआत रोहित और कप्तान शुभमन गिल करेंगे।

ऐसे में यशस्वी जायसवाल को पहले मैच में बाहर बैठना पड़ेगा। वहीं नंबर 3 पर विराट उतरेंगे। ऑस्ट्रेलिया में उछाल भरी पिचों को देखते हुए विराट से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद है। विराट के एकदिवसीय रिकॉर्ड की बात करें तो उन्होंने 302 मैचों की 290 पारियों में 14181 रन बनाए हैं। वह केवल 54 रन बनाते ही एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय में सबसे अधिक रन बनाने के मामले में दूसरे नंबर पर पहुंच जाएंगे। अभी श्रीलंका के कुमार संगाकारा दूसरे नंबर पर हैं।

वहीं चौथे नंबर पर श्रेयस अय्यर उतरेंगे। श्रेयस भी चैम्पियंस ट्रॉफी के बाद से ही टीम से बाहर हैं। ऐसे में उनका लक्ष्य बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। विकेट कीपर के तौर पर केएल राहुल खेलेंगे। वह 5वें नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। छठे नंबर पर ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी उतरेंगे। वह डेथ ओवरों में अच्छी बल्लेबाजी करने में सक्षम हैं। वहीं अगर शुरूआती विकेट जल्दी गिर गए तो संभलकर भी खेल सकते हैं। वह स्पिन और तेज गेंदबाजी को भी अच्छे से खेलते हैं। इसके अलावा वह मध्यम तेज गति के गेंदबाज हैं।

वहीं स्पिनर के तौर पर अक्षर पटेल और कुलदीप यादव को शामिल किया जाएगा।

तेज गेंदबाजी की कमान मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह और प्रसिद्ध कृष्णा के पास रहेगी।

संभावित अंतिम 11

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा।

ओलंपिक चैंपियन तैराक एरियन टिटमस ने संन्यास की घोषणा की

ब्रिस्बेन (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया की चार बार की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता एरियन टिटमस ने तैराकी से संन्यास लेने की घोषणा कर खेल प्रेमियों को चौंका दिया है। 25 वर्षीय टिटमस ने पिछले साल पेरिस ओलंपिक खेलों के बाद ब्रेक लिया था, लेकिन उम्मीद की जा रही थी कि वह 2028 में लॉस एंजेलिस ओलंपिक की तैयारी के लिए प्रतिस्पर्धी तैराकी में लौटेंगी।

टिटमस ने गुरुवार को इंस्टाग्राम पर वीडियो पोस्ट कर कहा, %मुझे तैराकी शुरू से पसंद रही है। जब मैं छोटी थी, तब से यह मेरा जुनून रहा है। लेकिन अब मुझे लगता है कि मेरे जीवन में कुछ चीजें तैराकी से थोड़ी ज्यादा महत्वपूर्ण हो गई हैं, और मुझे इसे स्वीकार करना चाहिए।%

पेरिस ओलंपिक 2024 में टिटमस ने 400 मीटर फ्रीस्टाइल में अमेरिका की केटी लेडेकी और कनाडा की समर मैकिन्टोश को पीछे छोड़ते हुए नया विश्व रिकॉर्ड बनाकर अपना खिताब बरकरार रखा। इसके अलावा, उनके नाम पर 200 मीटर फ्रीस्टाइल का भी विश्व रिकॉर्ड दर्ज है।

टिटमस ने अपने करियर में 33 अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं, जिनमें ओलंपिक में 4 स्वर्ण, 3 रजत और 1 कांस्य शामिल हैं, साथ ही उन्होंने चार विश्व खिताब भी अपने नाम किए हैं।

अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना आईसीसी के महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने

दुबई (एजेंसी)। भारत के स्टार सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और स्मृति मंधाना को क्रमशः एशिया कप और ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ महिला वनडे श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन के बाद सितंबर के लिए आईसीसी के महीने का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया। अभिषेक ने इस दौरान सात मैच में 44.85 के औसत और 200 के शानदार स्ट्राइक-रेट से 314 रन बनाए।

एशिया कप में 'प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट% चुने गए 25 वर्षीय इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय बल्लेबाजी रैंकिंग में अब तक के अपने सर्वोधिक रेटिंग अंक भी हासिल किए। उन्होंने टीम के अपने साथी कुलदीप यादव और जिम्बाब्वे के ब्रायन बेनेट को पछाड़कर महीने के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर का गौरव पाया।

अभिषेक ने कहा, 'आईसीसी का यह पुरस्कार जीतकर बहुत अच्छा लग रहा है और मुझे खुशी है कि यह मुझे कुछ महत्वपूर्ण मैचों के लिए मिला है जिनमें मेरी मदद से जीत संभव हो सकी। मुझे उस टीम का हिस्सा होने पर फक्र है जो सबसे कठिन परिस्थितियों में भी जीत दिला सकती है। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हमारा हालिया रिकॉर्ड हमारी बेहतरीन टीम संस्कृति और सकारात्मक सोच को दर्शाता है।'

वहीं मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू एकदिवसीय श्रृंखला में शानदार प्रदर्शन किया और तीन मैचों में 58, 117 और 125 रन बनाए। भारतीय महिला टीम की उप-कप्तान ने इस दौरान चार एकदिवसीय मैचों में 77 के औसत और 135.68 के स्ट्राइक रेट से 308 रन बनाए।

आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप 2025 में भारत के अभियान की तैयारी में जुटी मंधाना ने ऑस्ट्रेलिया श्रृंखला के दौरान किसी भी भारतीय बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज शतक लगाया, जब उन्होंने तीसरे मैच में सिर्फ 50 गेंदों पर शतक पूरा किया। दक्षिण अफ्रीका की तजमीन ब्रिट्स और पाकिस्तान की सिदरा अमीन भी इस पुरस्कार की दौड़ में शामिल थीं। मंधाना ने कहा, 'इस तरह का सम्मान एक खिलाड़ी के रूप में आपको आगे बढ़ने और अच्छा करने के लिए प्रेरित करता है। मेरा लक्ष्य हमेशा सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर टीम के लिए मैच जीतना रहा है।'

महिला विश्व कप क्रिकेट में आज दक्षिण अफ्रीका और श्रीलंका में होगी टक्कर

कोलंबो (एजेंसी)। महिला विश्वकप एकदिवसीय विश्वकप क्रिकेट में शुक्रवार को मेजबान श्रीलंकाई टीम का सामना दक्षिण अफ्रीका से होगा। श्रीलंकाई टीम के पास इस मैच जीत हासिल कर सेमीफाइनल में प्रवेश करने का अवसर है। श्रीलंका को दो मैच रद्द होने के कारण अभी तक दो अंक ही मिले हैं और वह चार मैचों के बाद अंक तालिका में सबसे नीचे हैं। ऐसे में उसके लिए ये मैच जीतना बेहद जरुरी है। इस मैच में बारिश बाधा बन सकती है अगर ऐसा हुआ तो श्रीलंकाई टीम के लिए सेमीफाइनल में पहुंचना कठिन हो जाएगा।

श्रीलंका ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पिछले मैच में बल्लेबाजी में अच्छा प्रदर्शन किया था पर बारिश के कारण उसके हाथ आया मैच निकल गया था। तब उस मैच में कप्तान चमारी अटापट्टू और नीलक्षिका सिल्वा ने अर्धशतक लगाकर टीम की जीत तय कर दी थी।

अब श्रीलंकाई टीम को उम्मीद रहेगी की ये दोनो ही खिलाड़ी दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ भी इसी तरह बेहतर प्रदर्शन करें। दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने भारत और बांग्लादेश को करीबी मैचों में हराया था और इससे उसका मनोबल बढ़ा है। उसे टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में इंग्लैंड के हाथों 10 विकेट से हार झेलनी पड़ी थी पर उसके बाद उसने न्यूजीलैंड, भारत और बांग्लादेश को हराकर जबरदस्त वापसी की।

भारत और बांग्लादेश के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका की ओर से नादिन डी क्लार्क ने जबरदस्त प्रदर्शन किया था। जिससे अब श्रीलंकाई टीम को बचना होगा। दक्षिण अफ्रीका की अब तक की कमजोरी शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों का अच्छी शुरुआत के बाल भी लंबी पारी नहीं खेल पाना है। ऐसे में अगर उसे जीत हासिल करनी है तो उसके सभी बल्लेबाजों को बेहतर प्रदर्शन करना होगा।

दोनो ही टीमें इस प्रकार हैं

श्रीलंका: चमारी अटापट्टू (कप्तान), हासिनी परेरा, विशमी गुणरत्ने, हर्षिता समरविक्रमा, कविशा दिलहारी, नीलाक्षी डी सिल्वा, अनुष्का संजीवनी, इमेशा दुलानी, देवमी विहंगा, पिउमी वाथसाला, इनोका रणावीरा, सुगंधिका कुमारी, उदेशिका प्रबोदानी, मल्की मदारा, अचिनी कुलसुरिया।

दक्षिण अफ्रीका: लौरा वोल्वार्ड्ट (कप्तान), ताज़मिन ब्रिट्स, एनेरी डर्कसन, मारिज़ैन कप्प, एनेके बॉश, सिनालो जाफ़्टा (विकेटकीपर), क्लो ट्रायॉन, नादिन डी क्लार्क, अयाबोंगा खाका, मसाबाता क्लास, नॉनकुलुलेको म्लाबा, सुने लुस, तुमी सेखुसोनगेस, नोंदुआबोमिसो म्लाबा।

लियोनेल मेसी ने तोड़ा नेमार का बड़ा रिकॉर्ड, अर्जेंटीना की 6-0 की जीत में रचा इतिहास

स्पोर्ट्स डेस्क। अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने एक और ऐतिहासिक माइलस्टोन हासिल कर लिया है। उन्होंने प्योर्टो रिको के खिलाफ हुए फ्रेंडली मैच में दो शानदार असिस्ट दिए और अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में सबसे ज्यादा असिस्ट करने वाले खिलाड़ी बन गए, नेमार को पीछे छोड़ते हुए।

इंटर मियामी स्टार मेसी ने इस मुकाबले में अर्जेंटीना को 6-0 की शानदार जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने पहले हाफ में गोंजालो मोंटियल को असिस्ट दिया और फिर दूसरे हाफ में लौतारो मार्टिनेज के लिए पास बनाकर अपनी टीम का छठा गोल कराया। अब मेसी के नाम अर्जेंटीना के लिए 60 असिस्ट और 114 गोल दर्ज हैं। वहीं नेमार ने ब्राजील के लिए 59 असिस्ट किए थे। इस प्रदर्शन के साथ मेसी के क्लब और देश मिलाकर कुल 398 असिस्ट हो चुके हैं, और वे जल्द ही 400 असिस्ट का ऐतिहासिक आंकड़ा छू सकते हैं।

मैच के बारे में मेसी ने कहा, 'टीम के साथ खेलना हमेशा सम्मान की बात होती है, और रिकॉर्ड्स तभी मायने रखते हैं जब वे जीत में बदलें।'

हाल में संन्यास लेने वालों को ही बनाया जाये चयनकर्ता : रहाणे

मुम्बई। बल्लेबाज अजिंक्य रहाणे ने कहा है कि हाल में संन्यास लेने वाले प्रथम श्रेणी खिलाड़ियों को ही राज्यों की चयन समिति में अवसर मिलना चाहिये। रहाणे के अनुसार ये इसलिए क्योंकि वे खेल के बदलते स्वरूप को आसानी से समझ सकते हैं। अभी चयन समिति के लिए कम से कम प्रथम श्रेणी के 10 मैचों का अनुभव जरुरी होता है। इसके अलावा उसके संन्यास लिए हुए पांच साल हो गये हों। वहीं रहाणे ने कहा कि यह जरुरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और रवैया क्रिकेट की वर्तमान गति से मेल खाता हुआ हो। रहाणे ने पूर्व क्रिकेटर चेतेश्वर पुजारा के साथ बातचीत के दौरान कहा, ''खिलाड़ियों को चयनकर्ताओं से डरना नहीं चाहिए। मैं चयनकर्ताओं के बारे में बात करना चाहता हूं, खासकर घरेलू क्रिकेट में। हमारे पास ऐसे चयनकर्ता होने चाहिए जिन्होंने हाल में शीर्ष स्तर की क्रिकेट से संन्यास लिया हो।'' उन्होंने कहा, ''क्योंकि क्रिकेट जिस तरह से विकसित हो रहा है, मुझे लगता है कि यह बहुत जरूरी है कि चयनकर्ताओं की मानसिकता और सोच आज के दौर की हो। वहीं 20 से 30 साल पहले क्रिकेट कैसे खेला जाता था, इसके आधार पर अभी फैसले नहीं लिए जा सकते।'' उन्होंने कहा, ''टी20 और आईपीएल जैसे प्रारूपों में आधुनिक क्रिकेट खिलाड़ियों की शैली को समझना जरूरी है। मेरा मानना है कि जहां तक संभव हो, चयनकर्ता सभी राज्यों से होने चाहिए और खिलाड़ियों को मैदान पर आजादी से निडर होकर क्रिकेट खेलना चाहिए।'' वहीं पुजारा ने कहा, ''बड़े राज्यों में इसे लागू किया जा सकता है क्योंकि उनके पास बहुत सारे विकल्प हैं। इसलिए जहां तक संभव हो मैं इस बात से सहमत हूं कि इसे लागू किया जा सकता है पर इसका मतलब यह है कि किसी भी पूर्व क्रिकेटर को इस मौके से वंचित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वह बहुत पहले ही संन्यास ले चुका है जिसका रिकॉर्ड शानदार रहा है और जो अब चयनकर्ता बनना चाहता है।''

सुल्तान ऑफ जोहोर कप : ऑस्ट्रेलिया ने भारत को 4-2 से हराया, तीसरे क्वार्टर में बदला मैच का रुख

जोहोर (मलेशिया) (एजेंसी)। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को सुल्तान ऑफ जोहोर कप 2025 के पूल-स्टेज के चौथे मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 2-4 से हार का सामना करना पड़ा। भारत की ओर से कप्तान रोहित (22') और अर्शदीप सिंह (60') ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए ऑस्कर स्मूल (39', 42'), एंड्रयू पैट्रिक (40') और कप्तान डिलन डाउनी (51') ने गोल दागे।

पहले क्वार्टर में दोनों टीमों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला, लेकिन भारत ने गेंद पर बेहतर नियंत्रण रखते हुए खेल की गति तय की। शुरुआती पलों में ऑस्ट्रेलिया को गोल करने का मौका मिला, मगर गोलकीपर प्रिंसदीप सिंह ने शानदार बचाव किया।

दूसरे क्वार्टर में भारत ने 17वें मिनट में पहला पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया, लेकिन अनमोल एक्का का प्रयास बार के ऊपर चला गया। 22वें मिनट में मिले दूसरे कॉर्नर पर कप्तान रोहित ने सटीक हिट लगाकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 25वें मिनट में अमीर अली ने शानदार सोलो रन के बाद शॉट लिया, जिसे ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर ने रोका।

तीसरे क्वार्टर में मैच का रुख पलट गया – ऑस्ट्रेलिया ने लगातार तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 39वें मिनट में ऑस्कर स्मूल ने बराबरी का गोल किया, उसके तुरंत बाद (40') एंड्रयू पैट्रिक ने रिबाउंड पर दूसरा गोल दागा। 42वें मिनट में स्मूल ने फिर शानदार बैकहैंड शॉट से अपना दूसरा गोल किया, जिससे ऑस्ट्रेलिया 3-1 से आगे निकल गया।

49वें मिनट में भारत को पेनल्टी कॉर्नर मिला, लेकिन कप्तान रोहित का शॉट चूक गया। 51वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान डिलन डाउनी ने अपनी टीम का चौथा गोल दागा। मैच के आखिरी मिनट में अर्शदीप सिंह ने शानदार डिफ्लेक्शन से भारत के लिए दूसरा गोल किया, जिससे मुकाबला 2-4 पर समाप्त हुआ। अब भारत का अगला मुकाबला शुक्रवार को मेज़बान मलेशिया से होगा।

डेनमार्क ओपन 2025 : लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए। लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। यह मैच 1 घंटे 4 मिनट तक चला। दूसरी ओर, मोहित और लक्षिता जगलान को मिक्स्ड डबल्स में इंडोनेशिया की जोड़ी अद्नान मौलाना और इंदाह चहया सरी जामिल के खिलाफ 21-14, 21-11 से हार का सामना करना पड़ा और टूर्नामेंट से बाहर हो गए। सत्विक-चिराग, जिन्होंने पिछले महीने हांगकांग ओपन और चाइना मास्टर्स में लगातार उपविजेता स्थान हासिल किया था, इस बार बीडब्ल्यूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करने की कोशिश कर रहे हैं।

सलमान आगा से छीनेगी कप्तानी, अनुभवी ऑलराउंडर को मिल सकती है पाकिस्तान टी20 टीम की कमान

कराची। अनुभवी ऑलराउंडर शादाब खान को सलमान अली आगा की जगह पाकिस्तान की टी20 टीम का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान की तरफ से अब तक 70 एकदिवसीय और 112 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में हिस्सा ले चुके शादाब ने इस साल के शुरू में लंदन में अपने कंधे की सर्जरी कराई थी इसके बाद वह खेल से बाहर हैं। शादाब हालांकि अब फिट हैं और वह अगले महीने वापसी कर सकते हैं। उनकी वापसी महत्वपूर्ण होगी क्योंकि वह सलमान की जगह राष्ट्रीय टी20 कप्तान बन सकते हैं। सर्जरी से पहले वह इस प्रारूप में उप-कप्तान थे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि शादाब 11 से 15 नवंबर के बीच श्रीलंका के खिलाफ द्विपक्षीय घरेलू श्रृंखला में वापसी करेंगे, क्योंकि उनका रिहैब अच्छा चल रहा है। अगले साल होने वाले विश्व कप को ध्यान में रखते हुए उन्हें खेल के सबसे छोटे प्रारूप का कप्तान नियुक्त किया जा सकता है। पाकिस्तान सलमान की अगुवाई में एशिया कप में खेला था जहां उसे फाइनल में भारत से हार का सामना करना पड़ा था।

जापान ओपन : चोट के बावजूद नाओमी ओसाका ने क्वार्टर-फाइनल में बनाई जगह

ओसाका। जापान ओपन में नाओमी ओसाका ने चोट और भावनाओं से जूझते हुए क्वार्टर-फाइनल में प्रवेश किया। उन्होंने लगातार आंसू झोंकते हुए डिफेंडिंग चैंपियन सुझान लेमेंस को हराया। ओसाका ने मैच 7-6 (8/6), 3-6, 6-2 से जीता और अब उनका क्वार्टर-फाइनल मुकाबला रोमानिया की जैकलीन क्रिस्टियन से होगा। ओसाका ने कहा, 'इस मैच में मैं भावनात्मक रूप से बहुत कुछ महसूस कर रही थी। तीसरे सेट में मैंने पूरी कोशिश की कि कोई पछतावा न रहे।' फाइनल सेट में ओसाका 5-0 से आगे थी जब उन्हें बाएं पैर की चोट के कारण मेडिकल टाइमआउट लेना पड़ा। भारी स्ट्रैपिंग के साथ वे कोर्ट पर लौटीं, अगले दो गेम हारने के बावजूद मैच 2 घंटे 20 मिनट में जीत लिया। चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने विजयी शॉट के बाद चेहरे को हाथ लगाते हुए आंसू रोकते हुए नेट की ओर बढ़ीं। उन्होंने कहा कि उन्होंने दर्द निवारक दवा ली थी, लेकिन चोट 'अच्छी नहीं लग रही'। 'मैं सही से नहीं हिल पा रही थी। लेकिन मुझे लगता है कि मैं जल्दी ठीक हो जाऊंगी, इसलिए अगले मैच में सब ठीक रहेगा।' 27 वर्षीय ओसाका यह पहला टूर्नामेंट खेल रही हैं US Open 2025 के सेमीफाइनल के बाद, जहां वे अमांडा एनीसिमोवा से हार गई थीं। ओसाका अब दुनिया की 16वीं रैंक वाली खिलाड़ी हैं और 2021 के ऑस्ट्रेलियन ओपन के बाद किसी मेजर टूर्नामेंट के दूसरे सप्ताह में नहीं पहुंची थीं।

वनडे कप्तानी से हटने के बाद रोहित शर्मा को कैसे हो सकता है फायदा, पूर्व स्पिनर अमित मिश्रा ने बताया

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व भारतीय लेग स्पिनर अमित मिश्रा का मानना है कि कप्तानी के बोझ से मुक्त होना सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा के लिए ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रविवार से शुरू होने वाली वनडे सीरीज़ में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी के लिए बेहद फ़ायदेमंद साबित हो सकता है। मिश्रा का कहना है कि अब रोहित पूरी तरह अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान केंद्रित कर सकते हैं और गिल के नेतृत्व में टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं।

रोहित की कप्तानी का अंत और गिल की नई शुरुआत

7 मार्च को चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के अपराजित अभियान का अंत एक परीकथा की तरह हुआ, जब रोहित शर्मा ने 76(83) रनों की शानदार पारी खेलकर प्लेयर ऑफ़ द मैच का पुरस्कार जीता। यह वनडे में रोहित का आखिरी कप्तानी प्रदर्शन था, क्योंकि चयनकर्ताओं ने शुभमन गिल को नई कप्तानी सौंपने का फैसला किया। गिल की कप्तानी की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया में होने वाले तीन वनडे मैचों से हुई।

पूर्व कप्तान रोहित अब केवल सलामी बल्लेबाज़ के रूप में खेलेंगे, जिससे उनके प्रदर्शन पर सीधे ध्यान केंद्रित किया जा सकेगा। मिश्रा ने कहा, 'रोहित के लिए यह अच्छी बात है कि अब उन पर कप्तानी का दबाव नहीं है। उन्हें अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान देना होगा और टीम को जीत दिलाने में मदद करनी होगी। वह गिल की मदद भी कर सकते हैं, खासकर रणनीतिक और मानसिक मामलों में।'

गिल की कप्तानी में चुनौती और अवसर

26 वर्षीय शुभमन गिल को इंग्लैंड के पांच मैचों के कठिन टेस्ट दौरे के लिए कप्तानी सौंपी गई थी। मिश्रा ने गिल की क्षमता की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनकी युवा उम्र में नेतृत्व लेना उन्हें जल्दी परिपक्व बना देगा। गिल ने टेस्ट सीरीज़ में 754 रन बनाए, जिसमें उनकी सर्वश्रेष्ठ पारी 269 रन रही और सीरीज़ 2-2 से बराबरी पर समाप्त हुई।

मिश्रा ने कहा, 'गिल के लिए जल्दी कप्तानी सौंपी जाना अच्छा है। 'वह पिछले दो सालों से आईपीएल में कप्तानी कर रहे हैं और दुनिया के टॉप खिलाड़ियों का नेतृत्व कर चुके हैं। जल्दी नेतृत्व मिलने से वह जल्दी परिपक्व होंगे और आने वाले वर्षों में टीम का लंबा नेतृत्व कर पाएंगे।'

कप्तानी से मुक्त होने का रोहित पर प्रभाव

मिश्रा ने आगे कहा कि कप्तानी के बिना खेलना रोहित के लिए मानसिक रूप से सकारात्मक रहेगा। 'अब रोहित पर सीधे दबाव नहीं है। वह खुलकर खेल सकते हैं, अपनी बल्लेबाज़ी पर ध्यान दे सकते हैं और टीम के लिए परिणाम ला सकते हैं। गिल के नेतृत्व में खेलते हुए रोहित अपनी अनुभवसंपन्न भूमिका निभा सकते हैं, जिसमें रणनीतिक सुझाव और अनुभव साझा करना शामिल है।'

पूर्व स्पिनर के अनुसार, रोहित का अनुभव युवा गिल के लिए मार्गदर्शन का काम करेगा। मिश्रा ने कहा, ÷रोहित और गिल की जोड़ी संतुलन बनाएगी। रोहित टीम में अनुभव लेकर आएंगे, और गिल नेतृत्व में नयी ऊर्जा और दृष्टिकोण देंगे। यह संयोजन भारतीय टीम के लिए बहुत सकारात्मक है। गिल को इसका आनंद लेना चाहिए और जल्द से जल्द परिपक्व होने की कोशिश करनी चाहिए। रोहित को कप्तानी से मुक्त होने से मानसिक राहत मिली है, और वह टीम के लिए अपने प्रदर्शन में योगदान देंगे।'

ऑस्ट्रेलिया के लिए भारत की वनडे टीम

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उप-कप्तान), अक्षर पटेल, केएल राहुल (विकेट कीपर), नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), यशस्वी जायसवाल।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

शरबती आंखों की कैसे करें सुरक्षा

आधुनिकता के बढ़ते दौर के कारण आज रोज-मर्रा की जिंदगी में कई मशीनों ने जगह बना ली है और इन सबमें सबसे आम है कम्प्यूटर। आज अधिकांश लोग दिन के 24 घंटों में से 10-12 घंटे कम्प्यूटर के सामने ही बिता रहे हैं।

दिनभर ऑफिस में काम करते हुए तो कम्प्यूटर स्क्रीन आंखों के सामने रहती ही है और घर में इसका स्थान टीवी ले लेती है। ऑफिस जाने वाले लोगों की तो मजबूरी है कि उन्हें इतने समय कम्प्यूटर पर काम करना पड़ता है क्योंकि आज अधिकांश कार्यालयों में बिना कम्प्यूटर के काम ही नहीं होता, लेकिन स्कूल, कॉलेज जाने वाले विद्यार्थियों के लिए तो यह इतना अहम हो गया है कि इसके बिना वे अपने आप को असहाय महसूस करने लगते हैं। अगर वे कम्प्यूटर से हटते तो मोबाइल में लग जाते।

स्वभाविक सी बात है कि इतना समय कम्प्यूटर, टीवी, मोबाइल के सामने बिताना आपकी आंखों के लिए अच्छा नहीं है। आपकी आंखों पर इसका बुरा असर पड़ना लाजमी है। लेकिन अपनी आदतों में सुधार कर आप आंखों को इसके प्रभावों से बचा सकते हैं। नीचे दिए कुछ उपयोगी टिप्स अपनाएं और आंखों को स्वस्थ रखें।

▸ आपकी आंखों की सेहत के लिए जरूरी है कि आपके कम्प्यूटर की जमावट सही हो। मॉनीटर, कीबोर्ड का सही जगह होना बेहद जरूरी है। ध्यान रहे मॉनीटर की आपकी आंखों से दूरी एक हाथ बराबर हो और वह आंखों के लेवल से 20 डिग्री नीचे हो। कीबोर्ड भी ऐसी जगह होना जाहिए जहां आपको टाइप करने में कोई भी दुविधा न हो।

▸ आप जहां बैठे हैं उस कमरे का प्रकाश फैला हुआ होना चाहिए। आपके सिस्टम पर प्रकाश सीधे नहीं पड़ना चाहिए। अपने सिस्टम के कलर, कंट्रास और ब्राइटनेस को अपने अनुसार सेट करें जो आपकी आंखों के लिए सहज हो।

▸ आप अपने चश्मे के लेंस पर एंटी-रिफ्लेक्टिव पर्त लगवा सकते हैं जो आपकी आंखों को कम्प्यूटर से निकलने वाली हानिकारक किरणों से बचाएगा। इसके अलावा आप आंखों के डॉक्टर से कन्सल्ट कर एक खास चश्मा बनवा सकते हैं जो विशेषकर उन लोगों के लिए बनाया जाता है जो कम्प्यूटर का अधिक इस्तेमाल करते हैं।

▸ हमेशा 20-20-20 नियम याद रखें। इन तीन स्टेप्स को अपनाकर आप आंखों की हिफाजत बखूबी कर सकते हैं।

● कम्प्यूटर पर काम करते हुए हर 20 मिनिट बाद अपने सिर को घुमाएं और ऐसी किसी वस्तु पर नजर डालें जो कम से कम आप से 20 फीट दूर हो। ऐसा करने से आपकी आंखों की फोकस दूरी बदलेगी जो आंखों को स्वस्थ रखने में मदद करेगी।

● छोटा-सा ब्रेक लें और उसमें अपनी पलकों को लगातार 20 बार झपकाए। ऐसा करने से आंखों की नमी बरकरार रहेगी।

● एक ही पोजीशन में बैठे रहने से अच्छा है कि आप हर 20 मिनिट में उठकर 20 कदम चलें। ऐसा करना आपकी आंखों के साथ-साथ पूरे शरीर के लिए लाभप्रद है। इससे आपके पूरे शरीर में रक्त का प्रवाह आसानी से होगा। अन्यथा एक ही जगह बैठे रहने से रक्त प्रवाह में रुकावट आ जाती है।

▸ हम औसतन एक मिनिट में 12 बार पलक झपकाते हैं, लेकिन क्या आपको पता है जब हम कम्प्यूटर पर काम करते हैं तो एक मिनिट में सिर्फ 5 बार ही पलकें झपकती हैं। जिस कारण हमारी आंखों की नमी कम हो जाती है। और यही कमी हमारी असहजता का कारण बन जाती है। इससे बचने के लिए जरूरी है कि आप पलक झपकाना न भूलें और आंखों को नम बनाए रखने के लिए जेल या कृत्रिम आंसुओं का उपयोग करें।

▸ काम करते समय हमेशा तनकर बैठे ताकि आपका मेरूदंड सीधा रहे। अपनी हथेलियां आपस में तब तक रगड़ें जब तक कि वे थोड़ी गर्म न हो जाएं। हथेलियों की यह गर्माहट आपक?ी थकी हुई आंखों को आराम पहुंचाएगी। अपनी इन गर्म हथेलियों को हल्के से आंखों पर रखें और 60 सेकेण्ड तक आराम करें। अपने मन में ये 60 सेकेण्ड गिनें और जब भी आपकी आंखे थक जाएं तब कम से कम दो से तीन बार इस एक्सरसाइज को करें।

▸ ब्रेक के दौरान अपने चेहरे और आंखों को सादे पानी से धोएं। ऐसा करने से आप फ्रेश फील करेंगे।

▸ सुबह ऑफिस आने से पहले उपयोग किए गए दो टी-बैग्स फ्रिज में रखना न भूलें और जब आप घर जाएं तो इन टी-बैग्स को आंखों पर कुछ मिनिटों के लिए रखें। यह आपकी थकी हुई आंखों को आराम देने के साथ-साथ उनकी सूजन भी कम करेगा।

▸ आंखों को स्वस्थ रखने के लिए जरूरी है उचित खान-पान। अपने रोजाना के खाने में विटामिन ए, सी और ई से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें। हरी पत्तेदार सब्जियां, टमाटर, चिकन और दुग्ध उत्पादों को भी अपने आहार में शामिल करें। अगर आप अपनी आंखों को स्वस्थ रखना चाहते हैं तो इन टिप्स को अपनाने के साथ समय-समय पर आंखों की जांच कराना न भूलें।

सर्द मौसम में महिलाएं रखें सावधानी

बदलते मौसम का अर्थ ढेरों बीमारियों को बुलावा। ऐसे में महिलाओं को अपना विशेष ध्यान रखना होता है। महिलाओं को कई प्रकार की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। बीमारी उन्हें जब तक पूरी तरह से न पकड़ ले, वे चिकित्सक के पास जाना पसंद नहीं करती हैं। लापरवाही के कारण कभी-कभी बीमारियां इतनी गंभीर हो जाती हैं कि इलाज असंभव हो जाता है। पहले महिलाएं अज्ञानता के चलते ऐसा करती थीं। आज महिलाएं शिक्षित और समझदार हैं लेकिन आज भी सिर्फ ध्यान न देने की वजह से बीमारियां ने गंभीर रूप ले लेती हैं। महिलाओं को चाहिए कि अपनी सेहत का विशेष ध्यान रखें और समय-समय पर डॉक्टरी परामर्श लेते रहें। * व्यायाम को अपनी दिनचर्या का हिस्सा बना लें। व्यायाम ज्यादा पकाऊ न हो, इसके लिए रोज कुछ नया करने का प्रयास करें। जैसे सोमवार को सैर, मंगलवार को योग, बुधवार को एक्सरसाइज आदि। *व्यायाम करते समय अपनी पसंद का म्यूजिक सुनना बहुत जरूरी होता है। इससे मन प्रसन्न होता है, और शरीर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। * खाने में हरी सब्जी, फल, सलाद और जूस का नियमित सेवन करें। तेल-घी का ज्यादा उपयोग न करें। महिलाएं एक गिलास दूध प्रतिदिन पिएं। कैल्शियम और सोयायुक्त खाद्य पदार्थों का सेवन करें। * बदलते मौसम में मॉइश्चराइजर का उपयोग करें। त्वचा को स्वस्थ रखने के लिए एलोवेरा का उपयोग भी कर सकते हैं। दिनभर में लगभग 18 से 20 गिलास पानी पीने से आधी से ज्यादा बीमारियां दूर रहती हैं। * विटामिन, एंटीऑक्सीडेंट दवाइयों का सेवन करें। महिलाएं ब्रेस्ट कैंसर और बच्चादानी के कैंसर की समय-समय पर जांच कराती रहें। साथ ही अन्य चेकअप भी कराती रहें। * जो भी खाएं और पकाएं, हमेशा धोकर खाएं। कफ कोल्ड वाले इंसानों से दूर रहें। जितना हो सके बीमारियों से बचकर रहें।

ढंड से बचाएं अपने नन्हे से दिल को

जाड़े की दस्तक के साथ ही मौज-मस्ती का सिलसिला शुरू हो रहा है। क्रिसमस से लेकर पूरे जनवरी महीने तक बेफिक्री का आलम रहेगा। रंग में भंग डालने की मेरी कोई मंशा नहीं है लेकिन मौज-मस्ती के अपने धांसू आइडिया के साथ अपने दिल की खैरियत के खयाल की गठरी भी बांध लें तो बेहतर होगा। इस दौरान दिल की तरफ से बेतकल्लुफ हो जाना खतरे से खाली नहीं है। ब्रिटेन के चर्चित कवि टीएस इलियट की तर्ज पर कहें तो दिल की परवाह नहीं की तो ये महीने सबसे निर्दयी साबित हो सकते हैं। खाने-पीने का दौर ही नहीं, जाड़े की ठिठुरन भी घातक साबित होती है। सीधे कहें तो इन महीनों में दिल के दौरे का खतरा बहुत बढ़ जाता है। उच्च रक्तचाप से पीड़ित लोग तो खास खयाल रखें। हृदय रोगों के लिए ये महीने सबसे घातक होते हैं। ठंडे मौसम का हृदय रोगों से गहरा संबंध होता है। हृदय एवं रक्त संचार कई तरह से प्रभावित होते हैं। गाढ़ा हो जाने से रक्त का लसलसापन बढ़ जाता है। पतली रक्त नलिकाएं और संकरी हो जाती हैं। इससे रक्त का दबाव बढ़ जाता है, दिल की धड़कन बढ़ जाती है। यह स्थिति दिल के मरीजों के लिए तो ठीक नहीं ही है, उनके दिलों के लिए भी घातक हैं जो मधुमेह, उच्च रक्तचाप, मोटापा एवं कोलेस्ट्रॉल जैसे जोखिम कारकों से लैस हैं। इस मौसम में श्वसन से संबंधित बीमारियां होती हैं जो दिल पर बुरा असर डालती हैं।

जाड़े में लोग शराब का अधिक सेवन करते हैं। उच्च रक्तचाप एवं खून को पतला करने सहित अन्य जरूरी दवाइयों से बचते हैं। मस्ती के दौरान उन लक्षणों को गंभीरता से नहीं लेते जो दिल के दौरे की तरफ इंगित करते हैं। छाती के दर्द तक को गैस या अपच के कारण हुआ समझने की भूल करते हैं। जाड़े में अधिक समय तक ठंड में रहने और खुली जगह में शारीरिक मेहनत करने से बचें तभी आपके दिल की गर्मजोशी बरकार रहेगी।

आहार जो दे आपको सर्दियों में गर्मी

सर्दी को हमारे यहां सेहत बनाने का मौसम माना जाता है। खूब सारे फल आते हैं, पाचन-शक्ति अच्छी होती है और खूब भूख भी लगती है। कहा जाता है कि इस मौसम में पत्थर भी पचाए जा सकते हैं। ऐसे में जो लोग जिम जाकर बॉडी बनाना चाहते हैं, उनके लिए भी यह मौसम बड़े काम का है।

इस मौसम में स्वस्थ रहने और सर्दी से बचने के लिए बाहरी उपायों के अतिरिक्त हमारे यहां खान-पान पर भी जोर दिया जाता है। इस मौसम में सर्दी-जुकाम होने की आशंका ज्यादा रहती है, ऐसे में अपने शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाने के लिए एक्सपर्ट अपने खाने में नेचुरल एंटीऑक्सीडेंट्स को शामिल करने का सुझाव देते हैं। ठंड के मौसम में अपने खाने में आंवले को शामिल करें। सीधे नहीं खा सकते हैं तो या तो मुरब्बे के तौर पर या फिर किसी और तरह से हर दिन के खान-पान में इस्तेमाल करें। यदि आप डाइट चार्ट का पालन कर रहे हैं तो फिर आंवला मुरब्बा लेने की बजाय किसी और रूप में लें। इसके साथ ही अजवाइन भी शरीर को गर्मी देने का अच्छा स्रोत है। इससे भी आप कोल्ड एंड फ्लू से बचाव कर सकते हैं। गुड़ और शहद भी सर्दियों के दिनों में अच्छा माना जाता है। तिल्ली और गुड़ के लड्डू सर्दी से बचाव के लिए बेहतरीन उपाय माना जाता है। ठंड के मौसम में सूखे मेवे, बादाम आदि का सेवन भी लाभदायक होता है। या तो इन्हें भिगोकर खाएं या दूध में मिलाकर या फिर सूखे मेवों का दरदरा पावडर-सा बना लें और इसे दूध में मिलाकर प्रोटीन शेक-सा बना लें। पारंपरिक तौर पर सर्दियों के लिए मेवे के लड्डू बनाए जाते हैं। आटे, बेसन या फिर उड़द या मूंग की दाल के आटे से लड्डू बनाए जाते हैं। गुजरात में उड़द की दाल के आटे से बने लड्डुओं को अड़दिया कहा जाता है, जबकि पंजाब में इन्हें दाल की पिन्नियों के नाम से जाना जाता है। डाइट एक्सपर्ट यह मानते हैं कि सर्दियों में देशी घी का उपयोग किया जाना चाहिए। यदि आप किसी डाइट चार्ट को फालो नहीं कर रहे हैं तो घी इस मौसम में अच्छा रोग प्रतिरोधक माना जाता है। यदि आप शक्कर और घी से परहेज करते हैं तो मौसमी फलों का सेवन करें। ताजी सब्जियों और मौसम के फलों के साथ गर्म दूध भी सर्दियों के लिए अच्छा माना जाता है।

सूर्य-किरण थेरेपी क्या है?

वैज्ञानिकों की मान्यता है कि विविध रंगों का मानव के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा प्रभाव पड़ता है और प्रत्येक रंग के अपने विशेष आरोग्यकारक गुण होते है। रंग असंतुलन अर्थात रंगों की कमी या अधिकता के कारण मनुष्य के शरीर में कई प्रकार के रोग उत्पन्न हो जाते हैं। सामान्य रूप से देखने पर सूर्य का प्रकाश सफेद ही दिखाई देता है पर वास्तव में वह सात रंगों का मिश्रण होता है। कांच के त्रिपार्श्व से सूर्य की किरणों को गुजारने पर दूसरी ओर इन सात रंगों को स्पष्ट देखा जा सकता है। किसी विशेष रंग की कांच की बोतल में साधारण पानी, चीनी, मिश्री, घी, ग्लिसरीन आदि तीन-चौथाई भरकर सूर्य की किरणें दिखाने से या धूप में रखने से उस कांच द्वारा सूर्य के प्रकाश से उसी रंग की किरणों को ग्रहण किया जाता है और उसी रंग का तत्व और गुण पानी आदि वस्तु में उत्पन्न हो जाता है और वह सूर्यतप्त (सूर्य किरणों द्वारा चार्ज की गई वस्तु रोग-निवारण गुणों और स्वास्थ्यवर्धक तत्वों से युक्त हो जाती है। इन सूर्यतापित वस्तुओं के उचित भीतरी और बाहरी प्रयोग से मनुष्य के शरीर में रंगों का संतुलन कायम रखा जा सकता है और अनेक प्रकार के रोगों को सहज ही दूर किया जा सकता है। यही सूर्य किरण चिकित्सा है। सूर्य की किरणों में सर्वरोगनाशक अद्भुत शक्ति है, यह बात हमारे ऋषि-मनीषी हजारों साल पहले अच्छी तरह जानते थे, परन्तु आधुनिक युग में सूर्य किरण चिकित्सा और रंग-चिकित्सा का अनुसंधान और विकास कार्य विदेशों में हुआ। अब सूर्य-किरण-चिकित्सा भारत में भी निरंतर लोकप्रिय होती जा रही है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

21वीं सदी होगी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की: पीएम मोदी

आंध्र प्रदेश में किया विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास

कुर्नूल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में करीब 13,430 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस मौके पर उन्होंने देश के भविष्य को लेकर बड़ा विजन पेश किया। यहां उन्होंने कहा कि 21वीं सदी 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की होगी।

यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, कि 2047 में जब आज़ादी के 100 साल पूरे होंगे, तब भारत एक विकसित राष्ट्र होगा। मैं पूरे विश्वास के साथ कहता हूं कि 21वीं सदी हिंदुस्तान की सदी है, 140 करोड़ हिंदुस्तानियों की सदी है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया भारत को 21वीं सदी के नए मैन्युफैक्चरिंग सेंटर के रूप में देख रही है, और इसका सबसे बड़ा आधार 'आत्मनिर्भर भारत' का विजन है। पीएम मोदी ने कहा कि आंध्र प्रदेश आत्मनिर्भर भारत अभियान का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, मेरा सौभाग्य है कि मेरा जन्म दादा सोमनाथ की धरती गुजरात में हुआ, बाबा विश्वनाथ की धरती काशी में सेवा करने का अवसर मिला और आज मुझे श्री शैलम का आशीर्वाद प्राप्त हो रहा है।

इससे पहले प्रधानमंत्री नांदयाल पहुंचे और वहां से श्रीशैलम स्थित भ्रामराम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी वरला देवस्थानम में दर्शन, पूजा और ध्यान किया। यह मंदिर देश के 12 ज्योतिर्लिंगों और 52 शक्तिपीठों में शामिल है, और विशेष बात यह है कि यह एकमात्र ऐसा स्थान है जहां ज्योतिर्लिंग और शक्तिपीठ दोनों हैं। इसके बाद पीएम मोदी ने श्रीशैलम में श्री शिवाजी स्फूर्ति केंद्र का भी दौरा किया। यह एक भव्य मेमोरियल कॉम्प्लेक्स है, जहां उन्होंने पूजा-अर्चना की। इस दौरान आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू भी मौजूद रहे। स्फूर्ति केंद्र में स्थित मेडिटेशन हॉल के चारों कोनों पर प्रतापगढ़, राजगढ़, रायगढ़ और शिवनेरी किलों के मॉडल बनाए गए हैं। हॉल के मध्य में छत्रपति शिवाजी महाराज की ध्यान मुद्रा में मूर्ति स्थापित है, जो देश की सांस्कृतिक और ऐतिहासिक विरासत का प्रतीक है।

पाकिस्तान को अफगानिस्तान से मिली करारी मात तो भारत पर प्रॉक्सी वार का मढ़ा आरोप

विदेश मंत्रालय ने किया सिरे से खारिज

नई दिल्ली

पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के साथ संघर्ष बढ़ाने से पहले शायद यह नहीं सोचा होगा कि वहां पर भी उसे मुंह की खानी पड़ सकती है। अफगानिस्तान से बढ़ते तनाव के बीच अब पाकिस्तान ने नाकामियों का ठीकरा भारत के सिर पर फोड़ने का पैंतरा खेला है। दरअसल पाकिस्तान ने भारत पर प्रॉक्सी वॉर का आरोप लगाया है, जिसका भारत ने दो टूक जवाब देते हुए तमाम आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि भारत अफगानिस्तान और पाकिस्तान की मौजूदा स्थिति पर करीब से नजर रख रहा है। उन्होंने पाकिस्तान के आरोपों का सिलसिलेवार जवाब देते हुए कहा, कि तीन बातें बिल्कुल स्पष्ट हैं, पहली, पाकिस्तान लंबे समय से आतंकी संगठनों का गढ़ बना हुआ है और वह इन संगठनों को प्रायोजित करता है। दूसरी, पाकिस्तान की पड़ोसियों पर आरोप लगाने की पुरानी आदत है; वह अपनी असफलताओं को छिपाने के लिए दूसरों पर दोष मढ़ता है। और अंतिम तीसरी बात पाकिस्तान इसलिए नाराज है क्योंकि अफगानिस्तान अपनी क्षेत्रीय संप्रभुता और स्वतंत्रता का प्रयोग कर रहा है। एमईए प्रवक्ता ने यहां कहा, कि भारत हमेशा से अफगानिस्तान की संप्रभुता, क्षेत्रीय अखंडता और स्वतंत्रता का सम्मान करता आया है और उसी के प्रति प्रतिबद्ध है।

इसी के साथ ही रणधीर जायसवाल ने बताया कि भारत का टेक्निकल मिशन 2022 से काबुल में सक्रिय है और अगले कुछ हफ्तों में इसे पूर्ण रूप से भारतीय दूतावास के रूप में अपग्रेड किया जाएगा। य

5 लाख की रिश्वत लेते सीबीआई ने पकड़ा रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरन भुल्लर को

चंडीगढ़

पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के डीआईजी हरचरन भुल्लर को केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने गिरफ्तार किया है। बताया जा रहा हैं कि उन पर रिश्वत लेने के आरोप लगे है।

सूत्रों के मुताबिक, मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी की ओर से उनके खिलाफ शिकायत दी गई थी, इसके बाद यह कार्रवाई हुई है।सीबीआई की टीम ने उन्हें मोहाली से गिरफ्तार किया है। भुल्लर भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के वरिष्ठ अधिकारी हैं। वे 2007 बैच के अफसर हैं और पंजाब पुलिस में कई अहम जिम्मेदारियां संभाल चुके हैं। वर्तमान में वे डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) के पद पर कार्यरत हैं।बात दें कि भुल्लर अपने सख्त एक्शन और ईमानदार छवि के लिए मशहूर हैं।

उन्होंने ड्रग माफिया, संगठित अपराध और सामाजिक सुरक्षा जैसे मामलों पर सख्त कार्रवाई की है, इसके लिए उन्हें पुलिस विभाग में एक कड़े और निष्पक्ष अधिकारी के रूप में पहचाना जाता है।सीबीआई सूत्रों के अनुसार, वे मासिक पांच लाख रुपए ले रहे थे। इस बारे में सीबीआई को शिकायत मिली।

इसके बाद सीबीआई की चंडीगढ़ यूनिट ने जांच शुरू की। फिलहाल यह पता लगाया जा रहा है कि यह मामला कब और कैसे शुरू हुआ। पंजाब में आप पार्टी के प्रवक्ता बलतेज पन्नू ने बताया कि यह मामला रिश्वतखोरी से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि सीबीआई की जानकारी आने के बाद मामले की गहराई से जांच की जाएगी। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार किसी भी

कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हरचरन सिंह भुल्लर पूर्व पंजाब पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) मेहल सिंह भुल्लर के पुत्र हैं, जो 1980-90 के दशक में पंजाब में आतंकवाद विरोधी अभियानों के प्रमुख रहे हैं।

राहुल गांधी ने फिर कहा- ट्रंप से प्रधानमंत्री मोदी डरे हुए हैं

रूस से तेल खरीदी पर ट्रंप के दावे के बाद सियासत गरमाई

नई दिल्ली

रूस से तेल खरीद को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हालिया दावे ने भारत की राजनीति में नई हलचल मचा दी है। दरअसल ट्रंप ने व्हाइट हाउस में बुधवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा था, कि पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें आश्वासन दिया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा।

इस बयान के बाद कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री मोदी पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट करते हुए लिखा, प्रधानमंत्री मोदी ट्रंप से डरे हुए हैं।

वह ट्रंप को यह फैसला लेने और घोषणा करने देते हैं कि भारत रूसी तेल नहीं खरीदेगा। बार-बार की गई अनदेखी के बावजूद मोदी ट्रंप को बधाई संदेश भेजते रहते हैं।

यहां बताते चलें, कि ट्रंप ने मीडिया से बात करते हुए दावा किया कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष को रुकवाने में भूमिका निभाई थी। हालांकि भारत की ओर से इस दावे को खारिज करते हुए स्पष्ट किया गया, कि दोनों देशों के बीच किसी तीसरे पक्ष की कोई भूमिका नहीं रही।

अब ट्रंप का ताज़ा बयान ऐसे समय में आया है जबकि रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर वैश्विक स्तर पर दबाव बढ़ रहा है।

उन्होंने कहा कि भारत का यह कदम मॉस्को पर दबाव बढ़ाने में मदद करेगा और युद्ध को समाप्त करने की दिशा में अहम साबित हो सकता है।

ट्रंप ने कहा, तेल नहीं मिलेगा, वे अब तेल नहीं खरीद रहे हैं।

हालांकि भारत सरकार की ओर से ट्रंप के इस दावे की अब तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है। विदेश मंत्रालय भी इस मुद्दे पर टिप्पणी करने से बच रहा है। वहीं दूसरी तरफ सांसद राहुल गांधी के बयान ने राजनीतिक गलियारे में गर्माहट ला दी है।

अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल गिरफ्तारी, मुंबई में बुजुर्ग दंपति से 58 करोड़ रुपये की ठगी

मुंबई पिछले कुछ महीनों से डिजिटल गिरफ्तारियों की खबरें लगातार सामने आ रही हैं। ऑनलाइन जानकारी के अभाव में नागरिक इसके शिकार हो जाते हैं। सोशल मीडिया के जरिए कोई कानूनी कार्रवाई नहीं की जाती, इसलिए नागरिकों को ऐसे फर्जी कॉल या वीडियो मिलने पर सीधे पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज करानी चाहिए। इस बीच मुंबई में एक बुजुर्ग दंपति से डिजिटल गिरफ्तारी के चलते 58 करोड़ रुपये की ठगी हुई है। शेयर कारोबार से जुड़े 72 वर्षीय एक कारोबारी और उनके पति के साथ आर्थिक धोखाधड़ी की गई। इसे अब तक की सबसे बड़ी डिजिटल गिरफ्तारी बताया जा रहा है। जालसाजों ने खुद को ईडी और सीबीआई अधिकारी बताकर उन्हें विश्वास दिलाया कि मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जांच चल रही है। इसके बाद आरोपियों ने दंपति से दो महीने के अंदर अलग-अलग खातों में पैसे ट्रांसफर करने को कहा। आरोपियों के विभिन्न खातों में 25 लाख रुपये जमा किए जा रहे थे। पीड़ित कारोबारी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आरोपियों ने उनसे पहली बार 19 अगस्त को संपर्क किया था। उस समय आरोपियों ने अपना नाम सुब्रमण्यम और करण शर्मा बताया था। वे अलग-अलग नंबरों से कॉल कर रहे थे। इसके अलावा, वे व्हाट्सएप पर भी कॉल कर रहे थे। वे खुद को सीबीआई और ईडी का अधिकारी बता रहे थे। इसके अलावा, वे दंपत्ति को डिजिटल गिरफ्तारी की धमकी भी दे रहे थे। मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले की जाँच का हवाला देते हुए, उन्होंने बुजुर्ग दंपत्ति को जांच के लिए पैसे दो, वरना हम तुम्हें गिरफ्तार कर लेंगे की धमकी दी।

बिहार चुनाव में एनडीए को मिली गति, महागठबंधन में मचा है घमासान: अनुराग

पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के लिए नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। गुरुवार को पहले चरण के नामांकन का सातवां दिन है। ऐसे में संभावना जताई जा रही है कि 17 अक्टूबर को खत्म हो रहे पहले चरण के नामांकन से पहले सभी दलों के प्रत्याशी अपना नामांकन दाखिल कर देंगे। बिहार चुनाव पर बीजेपी सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा कि बिहार चुनाव में एनडीए को जो गति मिली है, वो साफ दिखाई दे रही है। दूसरी तरफ महागठबंधन के अंदर ही घमासान मचा है...लालू यादव के खिलाफ नारेबाजी हो रही है...एनडीए के उम्मीदवारों को देखिए, कई युवा उम्मीदवारों को मौका दिया गया है ताकि बिहार के युवाओं के लिए एनडीए की सरकार बन सके।

वहीं दूसरी तरफ जंगलराज वालों ने बाहुबलियों और गुंडों के बेटों को टिकट दिया है। क्या लालू यादव बिहार में जंगलराज वापस लाने की सोच रहे हैं? बिहार की जनता इसे कभी स्वीकार नहीं करेगी। बिहार की जनता विकास से जुड़ना चाहती है। बिहार के सीजीएसटी कमिश्नर एवं चुनाव आयोग के नोडल अधिकारी विजय सिंह यादव की पत्नी डॉ. करिश्मा राय को लालू यादव ने परसा से चुनाव मैदान में उतारा है। राजद से होंगी प्रत्याशी। चुनाव आयोग के संज्ञान में पूरा मामला आते ही अधिकारी सकते में हैं। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए और इंडिया गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर चल रही खींचतान पर आरएलडी नेता मलूक नागर ने कहा कि एनडीए में सब कुछ ठीक है। हर चिंता पर चर्चा और समाधान हो गया है...हालांकि, इंडिया गठबंधन में चीजें ठीक नहीं हैं...। बिहार बीजेपी प्रमुख दिलीप जायसवाल ने कहा कि 101 सीटों के लिए उम्मीदवारों की सूची जारी कर दी गई है। एनडीए पहला गठबंधन है जिसने अपनी सीट-बंटवारे की संख्या और उम्मीदवारों की सूची जारी की है। आरएलएम के राष्ट्रीय अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा के बयान पर बीजेपी सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि एनडीए में हर कोई अपनी पार्टी के उम्मीदवारों के चयन में लगा है। हम विश्वास दिलाते हैं कि इस बार एनडीए का हर उम्मीदवार बड़े अंतर से जीतेगा और बिहार एक नई उड़ान के लिए

तैयार है। राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान पर उन्होंने कहा कि जिनके अपने घर में ही एकता नहीं है, जहां दो भाइयों में झगड़ा है, वे बिहार को कैसे ठीक रख सकते हैं? न तो राहुल गांधी तेजस्वी यादव को पसंद करते हैं और न ही तेजस्वी राहुल गांधी को और जनता यह बात समझ चुकी है।

जुबीन गर्ग मौत मामले में 21 अक्टूबर को होगी सिंगापुर और असम पुलिस के अधिकारियों की बैठक

मुंबई दिवंगत मशहूर गायक जुबीन गर्ग की मौत पर जारी जाँच को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा हैं कि 21 अक्टूबर को सिंगापुर पुलिस के अधिकारी, विशेष जाँच दल (एसआईटी) के प्रमुख और एडीजीपी मुन्ना गुप्ता के नेतृत्व वाली असम पुलिस टीम से मिलने वाले है। बात दें कि मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने जनता को जुबीन गर्ग के मामले में न्याय मिलने का आश्वासन दिया है। इससे पहले, बुधवार को सिंगापुर की कार्यवाहक उच्चायुक्त एलिस चेंग ने असम के मुख्यमंत्री से मुलाकात की और गायक के निधन पर शोक व्यक्त किया। सिंगापुर पुलिस बल (एसपीएफ) ने भारतीय उच्चायोग को 1 अक्टूबर 2025 को गर्ग की पोस्टमार्टम रिपोर्ट और उसके प्रारंभिक निष्कर्षों से अवगत करा दिया था। सिंगापुर के अधिकारियों ने असम के लोगों से मामले की गहन जाँच के लिए धैर्य और समझदारी बनाए रखने की अपील की है, क्योंकि जाँच अभी भी जारी है। जुबीन गर्ग की कथित तौर पर 19 सितंबर को सिंगापुर में तैराकी करते समय मृत्यु हो गई थी, यह घटना उन्हें पूर्वोत्तर भारत महोत्सव में प्रस्तुति देने से एक दिन पहले हुई थी। मुख्य कार्यक्रम आयोजक श्यामकानु महंत, जुबीन गर्ग के प्रबंधक सिद्धार्थ शर्मा, संदीपन गर्ग (निलंबित एपीएस अधिकारी) और दो पीएसओ, नंदेश्वर बोरा और परेश बैश्य इस मामले में शामिल हैं।

ममता सरकार ने खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस जारी की

कोलकाता

पश्चिम बंगाल सरकार के ड्रग कंट्रोल डायरेक्टोरेट ने राज्य में खांसी की सिरप की बिक्री और मार्केटिंग को लेकर नई गाइडलाइंस और निर्देश जारी किए हैं। यह फैसला जनता की सुरक्षा सुनिश्चित करने और भविष्य में किसी भी अनहोनी से बचने के लिए लिया गया है। यह कदम कोल्ड्रिफ नामक खांसी की सिरप पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद उठाया गया है।

इस सिरप के सेवन से मध्यप्रदेश में बच्चों की मौत हुई थी, जिसके बाद पश्चिम बंगाल सरकार ने भी प्रतिबंधित कर दिया था।

मुख्य नई गाइडलाइंस के मुताबिक कोई भी दुकानदार/कंपनी किसी अन्य कंपनी द्वारा निर्मित दवा को अपने नाम से तब तक नहीं बेच सकेगी जब तक कि उनके पास उस कंपनी के साथ लिखित समझौता न हो। दवाओं की मार्केटिंग करने वाली कंपनियों को अब दवा की गुणवत्ता और कानूनी जिम्मेदारियों के लिए निर्माता कंपनी के साथ बराबर जिम्मेदार माना जाएगा।

जो कंपनियाँ पश्चिम बंगाल के बाहर से दवाएँ बनवाकर यहाँ बेच रही हैं, उन्हें अपने निर्माण समझौते की एक कॉपी 15 दिनों के भीतर ड्रग कंट्रोल विभाग को आधिकारिक ईमेल पर जमा करनी होगी।

कंपनियों को केंद्र सरकार के ड्रग अलर्ट पोर्टल पर नियमित नजर रखने के लिए भी कहा गया है, ताकि दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा से जुड़ी नई चेतावनियों की

जानकारी मिलती रहे। अधिकारियों का मानना है कि इससे बाजार में खराब या बिना लाइसेंस वाली खांसी की सिरप की बिक्री पर रोक लगेगी और ग्राहकों का भरोसा बढ़ेगा।

हाईकोर्ट के बाद सुप्रीम कोर्ट से भी तेलंगाना की कांग्रेस सरकार को झटका

नई दिल्ली

तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के द्वारा आरक्षण की सीमा 50 फीसदी से ज्यादा बढ़ाए जाने को सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी नहीं दी है। तेलंगाना सरकार के फैसले को हाई कोर्ट ने खारिज किया था, इस फैसले को शीर्ष अदालत में तेलंगाना की रेवंत रेड्डी सरकार ने चैलेंज किया था। अब कांग्रेस सरकार को शीर्ष अदालत में भी झटका लगा है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की बेंच ने अर्जी खारिज कर कहा कि जाति आधारित आरक्षण की 50 फीसदी की तय सीमा है और उसका उल्लंघन नहीं हो सकता। 1992 के इंदिरा साहनी केस में सुप्रीम कोर्ट ने जातिगत आरक्षण की 50 फीसदी सीमा का आदेश दिया था। दरअसल तेलंगाना सरकार ने शीर्ष अदालत में दलील दी कि हमारी सरकार ने 42 फीसदी ओबीसी आरक्षण तय किया है, जो एक नीतिगत निर्णय है। इससे राज्य के पिछड़े वर्गों को स्थानीय निकाय में उचित प्रतिनिधित्व मिल सकेगा। इस आरक्षण के साथ ही राज्य में कुल कोटा 67 फीसदी होता है। इसी पर आपत्ति जताकर ओबीसी आरक्षण बढ़ाने के प्रस्ताव को हाई कोर्ट ने खारिज कर दिया था। अब ऐसा ही फैसला सुप्रीम कोर्ट ने भी दिया है। इस तरह हाई कोर्ट की ओर से आरक्षण बढ़ाने के फैसले पर लागू की गई अंतरिम रोक अगले आदेश तक जारी रहेगी। उच्च न्यायालय ने 9 अक्टूबर को हुई सुनवाई के दौरान राज्य सरकार 4 सप्ताह में जवाब देने का मौका दिया था। अब एक बार फिर से हाई कोर्ट की सुनवाई पर नजर होगी कि अब राज्य सरकार का क्या जवाब होगा और उस पर अदालत का रुख क्या रहेगा। तेलंगाना सरकार की ओर से ओबीसी कोटा 42 फीसदी किए जाने को कई संगठनों और लोगों

की ओर से चैलेंज किया गया था। इन लोगों का कहना था कि जातिगत आरक्षण की लिमिट 50 फीसदी है, जो इस फैसले से बढ़कर 67 फीसदी हो जाता है। इसलिए इसे रोका जाना चाहिए। फिलहाल शीर्ष अदालत के फैसले पर तेलंगाना सरकार का कोई रिएक्शन नहीं आया है।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने भारत में निर्मित उपकरणों का इस्तेमाल किया

रक्षा मंत्री ने सशस्त्र बलों की वीरता की सराहना की

नई दिल्ली

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर भारत की आत्मनिर्भरता का जीता जागता सबूत है। उन्होंने ऑपरेशन के दौरान भारतीय सशस्त्र बलों की वीरता की खुले दिल से सराहना की। पुणे में सिम्बायोसिस स्किल्स एंड प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में रक्षा मंत्री सिंह ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अपने आप में हमारी आत्मनिर्भरता का जीता जागता सबूत है। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान, हमारे सशस्त्र बलों की वीरता को पूरी दुनिया ने देखा। ऑपरेशन सिंदूर की खास बात ये रही कि हमारे सुरक्षा बलों ने बड़ी मात्रा में भारत में निर्मित उपकरणों का इस्तेमाल किया।

इसके अतिरिक्त, रक्षा मंत्री सिंह ने भारतीय रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता पर मोदी सरकार के फोकस पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के बाद से रक्षा क्षेत्र में जो स्थितियाँ थीं, उन दिक्कतों को हमारी सरकार ने बदल दिया है।

हमारी सरकार ने इस बात पर जोर दिया कि भारत अपने सैनिकों के लिए देश में ही हथियार बनाएगा। हमारे लिए परिस्थितियाँ बहुत प्रतिकूल थीं। लेकिन हमारी सरकार ने हार नहीं मानी। हमने रक्षा निर्माण को बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किया। और

हमें अपने प्रयासों के सकारात्मक परिणाम दिखने लगे।रक्षा मंत्री सिंह ने युवाओं को सशक्त बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की स्किल इंडिया और स्टार्ट-अप इंडिया पहल पर भी प्रकाश डाला। सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी आत्मनिर्भर भारत के अपने दृष्टिकोण को समझते हैं और उसे साकार करते हैं, इसलिए युवाओं के कौशल को बढ़ाना आवश्यक है, उन्होंने कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय की स्थापना पर प्रकाश डाला।

कांग्रेस नेता का मोदी सरकार पर हमला....भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा ट्रंप कर रहे

नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के भारत रूस से तेल खरीदना बंद कर देगा के दावे पर बढ़ते विवाद के बीच, वरिष्ठ कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने केंद्र पर कटाक्ष कर कहा कि भारत सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति करते है। कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि भारत सरकार द्वारा लिए गए फैसलों की घोषणा राष्ट्रपति ट्रंप ने वाशिंगटन डीसी में की है। यहाँ से तारीफ, वहाँ से टैरिफ। कांग्रेस नेता रमेश ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से संसद के समक्ष अमेरिकी व्यापार समझौते के बारे में विस्तृत जानकारी देने और बताने को कहा कि यह अभी तक क्यों नहीं हुआ है। रमेश ने कहा कि पीएम मोदी को बताना चाहिए कि रूस से तेल खरीदने के पीछे की सच्चाई क्या है? अमेरिकी व्यापार समझौता अभी तक क्यों नहीं हुआ है? उन्हें संसद को विश्वास में लेना चाहिए, आम सहमति बनाना चाहिए। हमारी विदेश नीति पूरी तरह विफल रही है। राज्यसभा सांसद रमेश ने ट्रंप द्वारा किए गए दावों पर पीएम मोदी की चुप्पी पर भी सवाल उठाया, जिनमें व्यापारिक धमकियाँ देकर भारत-पाकिस्तान युद्ध रोकना और यह दावा करना शामिल है कि भारत रूस से तेल नहीं खरीदेगा। रमेश ने कहा, ट्रंप 51 बार दावा कर चुके हैं कि व्यापारिक धमकी देकर भारत-पाकिस्तान तनाव को कम करने के

लिए वे ज़िम्मेदार हैं। दरअसल बुधवार को ट्रंप ने कहा कि उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से कहा था कि भारत को रूस से तेल नहीं खरीदना चाहिए, और भारत ने उन्हें आश्वासन दिया था कि वह रूस से तेल नहीं खरीदेगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में प्रतिनिधि सभा की फिर स्थापना के लिए सुप्रीम कोर्ट में याचिका

काठमांडू, एजेंसी। प्रतिनिधि सभा के विघटन के खिलाफ नेपाल के सुप्रीम कोर्ट में लगातार रिट दायर हो रहे। कानून व्यावसायियों के अनुसार अब तक 10 रिट पंजीकरण के लिए प्रस्तुत की जा चुकी हैं। मंगलवार सुबह से अधिवक्ता प्रेमराज सिलवाल, कृतिनाथ शर्मा पौडेल, युवराज सफल पौडेल, विपना शर्मा, आयुष बडाल और मकबुल मियां समेत कई अधिवक्ताओं ने ये रिट सुप्रीम कोर्ट में दाखिल की हैं। रिट में प्रधानमंत्री सुशीला कार्की की नियुक्ति को असांविधानिक बताया गया है। साथ ही असांविधानिक रूप से नियुक्त प्रधानमंत्री के निर्णयों को रद्द करने की मांग की गई है। रिट में यह भी अनुरोध किया गया है कि प्रधानमंत्री और सरकार के निर्णयों के कार्यान्वयन पर रोक लगाने के लिए अंतरिम आदेश जारी किया जाए। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार से नई रिट और मामलों का पंजीकरण शुरू किया है, जिसके साथ ही प्रतिनिधि सभा विघटन के खिलाफ ये रिट दाखिल की गई हैं। गौरतलब है कि 9 सितंबर को जेन-जी प्रदर्शन के दौरान सुप्रीम कोर्ट परिसर में आगजनी की घटना हुई थी, जिससे भवन को नुकसान पहुंचा था।

चीनी स्कूल में हिंदी की पढ़ाई, राजदूत ने शिक्षिका को किया सम्मानित

बीजिंग, एजेंसी। चीन में स्कूल स्तर पर पहली बार हिंदी की औपचारिक पढ़ाई शुरू हुई है। इस पहल के शुरू होने पर चीन में भारत के राजदूत प्रदीप कुमार रावत ने शंघाई में भारत के महावाणिज्य दूत प्रतीक माथुर के साथ मिलकर ब्रिटानिका इंटरनेशनल सीनियर सेकेंडरी स्कूल की शिक्षिका भव्या मेहता का सम्मान किया। भव्या मेहता कीर्ति चक्र विजेता ब्रिगेडियर रवि दत्त मेहता की बेटी हैं। यह पहल विश्वविद्यालय कार्यक्रमों से परे हिंदी की पहुंच का विस्तार करती है।

चीन का द. कोरियाई कंपनी की 5 अमेरिकी इकाइयों पर प्रतिबंध

बीजिंग, एजेंसी। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने दक्षिण कोरियाई जहाज विनिर्माता हनव्हा ओशन की 5 इकाइयों से चीनी कंपनियों के लेनदेन पर रोक लगा दी है। मंत्रालय ने कहा, वह विश्व जहाज विनिर्माण में चीन के बढ़ते प्रभुत्व की अमेरिका द्वारा की जा रही जांच की तहकीकात कर रहा है। दोनों पक्षों ने एक दूसरे के जहाजों पर नए बंदरगाह शुल्क लगाए हैं।

ब्रिटेन में अब वीजा आवेदकों के लिए कठिन होगी परीक्षा

लंदन, एजेंसी। सरकार ने भारत सहित अन्य देशों के वीजा आवेदकों के लिए अंग्रेजी भाषा की अनिवार्य परीक्षा को मंगलवार को और कठिन बनाने की शर्तें पेश कीं। ब्रिटेन में बढ़ते आव्रजन पर कार्रवाई के तहत संसद में यह प्रस्ताव रखा गया। अंग्रेजी की यह नई परीक्षा ब्रिटेन के गृह विभाग की तरफ से आयोजित होगी। आठ जनवरी, 2026 से सभी कुशल श्रमिकों के लिए आगामी वीजा आवेदन प्रक्रिया के हिस्से के रूप में परिणामों का सत्यापन किया जाएगा। वीजा आवेदक का अंग्रेजी बोलने, सुनने, पढ़ने और लिखने का स्तर ए-लेवल अथवा 12वीं कक्षा के समकक्ष होना चाहिए, जिसे लेवल बी-2 कहा जाता है।

इक्काडोर की व्यस्त सड़क पर पिकअप ट्रक में विस्फोट, एक की मौत

इक्काडोर, एजेंसी। इक्काडोर के बंदरगाह शहर गुआयाकिल की एक व्यस्त सड़क पर मंगलवार शाम एक पिकअप ट्रक में विस्फोट हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और दो अन्य घायल हुए। गुआयाकिल अग्निशमन विभाग के मेजर जॉर्ज मोंटेनेरो ने स्थानीय टेलीविजन स्टेशन को बताया कि मारा गया व्यक्ति एक कैब ड्राइवर था, जो कि धमाके वाली जगह के पास में ही था। उन्होंने आगे कहा कि पुलिस आसपास के इलाके में सभी वाहनों की भी जाँच कर रही है। मोंटानेरो ने कहा, हम एहतियात के तौर पर पूरी इमारत खाली करा रहे हैं। यह पूछे जाने पर कि क्या यह कार बम हो सकता है, उन्होंने कहा कि उन्हें पुलिस की जांच का इंतजार करना होगा। उन्होंने कहा, हमें नहीं पता, लेकिन एक सामान्य कार इस तरह नहीं फटती। 2023 में इक्काडोर में एक राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की हत्या के बाद हिंसा बढ़ने के कारण कई कार बम विस्फोट हुए थे। गवर्नर हम्बर्टो प्लाजा ने मंगलवार के विस्फोट को साफ-साफ आतंकवाद बताया और वादा किया कि पुलिस इसके लिए जिम्मेदार लोगों को ढूंढ निकालेगी। उन्होंने कहा, हम इसके जिम्मेदार लोगों को पकड़ेंगे और उन्हें इसकी कीमत चुकानी होगी। इन लोगों पर आतंकवाद का मुकदमा चलाया जाएगा।

हमास के लड़ाकों ने गाजा की सड़कों पर फिर मचाया कोहराम, हथियार लहराते हुए बंदियों को ले गए

गाजा, एजेंसी। गाजा में संघर्षविराम के बीच हमास ने सड़कों पर दोबारा नियंत्रण करने की कोशिश की है। इसके लिए अभियान भी चलाया है। इस दौरान हमास के लड़ाकों ने कई संदिग्ध अपराधियों को मार गिराया। हमास ने इसे कानून-व्यवस्था बहाल करने की दिशा में कोशिश बताया है। हालांकि इस कार्रवाई से एक ओर स्थानीय लोगों में राहत की भावना दिखी है, वहीं दूसरी ओर यह संघर्षविराम को अस्थिर करने वाला कदम भी साबित हो सकता है। हमास अब भी अपने हथियार नहीं डालने के फैसले पर अड़ा हुआ है।

इस बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि हमास ने कई बुरे गिरोहों को खत्म किया है। ईमानदारी से कहूं तो इससे मुझे कोई आपत्ति नहीं। हालांकि उन्होंने दोहराया कि हमास को अपने हथियार डालने होंगे और अगर नहीं किया तो हम उन्हें निहत्था करेंगे। ट्रंप की मध्यस्थता से लागू संघर्षविराम योजना के तहत हमास को निरस्त्र होकर सत्ता एक अंतरराष्ट्रीय निगरानी निकाय को सौंपनी है, लेकिन वह प्रक्रिया अभी शुरू नहीं हुई है।

इजरायल के हमलों के बाद पिछले महीनों में गाज़ा में कानून-व्यवस्था लगभग खत्म हो गई थी। हमास के सुरक्षा बलों के हटने के बाद स्थानीय गिरोहों और प्रभावशाली परिवारों ने कब्जा जमाना शुरू कर दिया था, जिन पर मानवीय सहायता लूटने और उसकी कालाबाजारी करने के आरोप हैं। पिछले

हफ्ते हमास ने डॉगमश परिवार से जुड़े एक गिरोह पर धावा बोला, जिसमें लगभग दो दर्जन लोग मारे गए। मृतकों में एक स्थानीय पत्रकार और हमास नेता के बेटे के भी शामिल होने की खबर है।

हमास से जुड़े टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया कि मारे गए लोग सहयोगी और गद्दार थे जो इजरायल से मिले हुए थे। सोशल मीडिया पर वायरल एक वीडियो में हमास बलों को आठ लोगों को सरेआम गोली मारते हुए दिखाया गया। इस घटना की मानवाधिकार संगठनों (अल मेजान सेंटर फॉर ह्यूमन राइट्स और पैलेस्टीनियन इंडिपेंडेंट कमीशन फॉर ह्यूमन राइट्स) ने कड़ी निंदा की है।

कई नागरिकों ने इस कार्रवाई को सामान्य जीवन की शुरुआत कहा है। उत्तरी गाजा के एक स्वास्थ्यकर्मी सईद अबू एलाइश ने कहा, हमने दो साल बाद पुलिस को सड़कों पर देखा है। कुछ सुरक्षा लौटती दिख रही है। वहीं, इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संकेत दिया है कि अगर हमास ने शांतिपूर्ण तरीके से हथियार नहीं डाले तो सैन्य कार्रवाई फिर शुरू की जा सकती है। हमास के गृह मंत्रालय ने एक सप्ताह के लिए आम माफी की घोषणा की है, जिसमें कहा गया है कि जिन गिरोह सदस्यों का हाथ हत्या में नहीं है वे आत्मसमर्पण कर अपना रिकॉर्ड साफ कर सकते हैं। कोई भी व्यक्ति सार्वजनिक सुरक्षा या नागरिकों के अधिकारों से खिलवाड़ नहीं करेगा। यह अंतिम चेतावनी है। हमास का कहना है कि वह रॉकेट जैसे आक्रामक हथियार सौंप सकता है, लेकिन आत्मरक्षा के लिए हल्के हथियार रखना चाहता है। विश्लेषकों का मानना है कि अगर ये गिरोह और हमास दोनों हथियारबंद बने रहे तो गाज़ा में युद्धविराम से शांति तक का सफर बहुत कठिन हो सकता है।

टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर हुए नाराज डोनाल्ड ट्रंप

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टाइम मैगजीन के कवर पर छपी अपनी फोटो को लेकर नाराज हैं। उन्होंने इसे अब तक की सबसे घटिया तस्वीर बताते हुए नाराजगी व्यक्त की है। ट्रुथ सोशल पर अपनी भड़ास निकालते हुए ट्रंप ने कहा कि मैगजीन ने उनके बारे में तो बेहतरीन लेख छापा है, लेकिन साथ ही शायद अब तक की सबसे खराब फोटो भी लगा दी। ट्रंप ने आगे कहा कि इस फोटो में उनके बालों को गायब कर दिया गया है और सिर के ऊपर एक विचित्र सी चीज तैरती हुई दिख रही है, जो किसी छोटे से मुकुट जैसी लगती है। यह बेहद अजीबोगरीब है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि उन्हें कभी नीचे से ली गई फोटो पसंद नहीं आई, लेकिन यह तो बेहद खराब है। इसे जरूर बताना चाहिए ताकि वे समझ सकें कि वे क्या कर रहे हैं। दरअसल, टाइम के कवर पर ट्रंप आत्मविश्वास से भरी नजरों से आगे देखते नजर आ रहे हैं, और इसका कैप्शन है- हिज ट्रायम्फ यानी उनकी जीत। यह मिडिल ईस्ट में ट्रंप की सफलता को दर्शाता है। उन्हें गाजा में युद्धविराम कराने और इजरायल व फिलिस्तीनी उग्रवादी संगठन हमास के बीच बड़े पैमाने पर बंधक-कैदी एक दूसरे को सौंपे गए। यह कवर फोटो गाजा युद्धविराम समझौते की सफलता और उसके बाद मिस्र के लाल सागर के रिसॉर्ट शर्म अल-शेख में हुए हस्ताक्षर की पृष्ठभूमि में आई है। इस घटना के बाद इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू समेत कई वैश्विक नेता ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामित करने की मांग कर रहे हैं। ट्रंप इस साल का नोबेल शांति पुरस्कार हासिल करने से चूक गए थे, जो वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को मिला। अमेरिकी राष्ट्रपति का दावा है कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान संघर्ष समेत आठ युद्धों को समाप्त कराया है। गौरतलब है कि यह पहला मौका नहीं है जब ट्रंप ने टाइम मैगजीन पर तंज कसा हो। फरवरी में उन्होंने मैगजीन का मजाक उड़ाया था।

मैक्सिको में बाढ़ से पूरा गांव बहा, 60 से ज्यादा लोगों की मौत, दर्जनों अभी भी लापता

मैक्सिको सिटी, एजेंसी। मैक्सिको में बाढ़ और भूस्खलन से भारी तबाही मची हुई है। बाढ़ के चलते 400 लोगों का एक पूरा गांव नक्शे से साफ हो गया है और कई इलाकों का संपर्क टूट गया है। लोग ऊंचे इलाकों पर फंसे हुए हैं और उन्हें सुरक्षित निकाला जा रहा है। सेना के हजारों जवान और नागरिक कार्यकर्ता लोगों को बचाने और सड़कों को फिर से शुरू करने के काम में जुटे हैं। मैक्सिको सरकार ने पुष्टि की है कि बाढ़ और भूस्खलन से अब तक 64 लोगों की मौत हो चुकी है और दर्जनों अभी लापता हैं। एक पीड़िता ने बताया कि कुछ नहीं बचा, सबकुछ तबाह हो गया। पुल, मकान, सड़कें सबकुछ चला गया है।

अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि दूर-दराज के इलाकों में सैंकड़ों से लेकर हजारों तक लोग लापता हैं और भारी तबाही की आशंका है। मैक्सिको के पश्चिमी तट पर दो उष्णकटिबंधीय तूफानों के मिलने की वजह से मैक्सिको में भारी बारिश हुई। इससे नदियां उफान पर हैं और पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन हो रहा है। मैक्सिको की राष्ट्रपति क्लाउडिया शीनबाम ने बताया कि सरकार की प्राथमिकता सड़कों को फिर से खोलना और हवाई ब्रिजों को सुरक्षित करना है, जिससे लोगों को राशन की आपूर्ति हो सके और उन्हें सुरक्षित बचाया जा सके।

तीन राज्य सबसे ज्यादा प्रभावित : सरकार और सेना द्वारा लोगों को बचाने की भरसक कोशिश की जा रही है, लेकिन कई लोगों ने मिलकर खुद ही बचाव की कोशिशें शुरू कर दी हैं। कई लोगों ने अमेरिका में रहने वाले अपने रिश्तेदारों से मदद मांगी है, जिन्होंने किराए पर हेलीकॉप्टर लेकर लोगों को बचाया। दरअसल भारी तबाही से कई इलाके संपर्क से कट गए हैं और वहां पहुंचने के लिए सेना के जवानों को पहुंचने के लिए 6-7 घंटे पैदल चलकर जाना पड़ रहा है। मैक्सिको के वेराक्रूज, हिडाल्गो और पुएबला राज्यों में बाढ़ ने भारी तबाही मचाई है। हिडाल्गो में ही करीब एक लाख घर तबाह हुए हैं। वेराक्रूज में 29 लोगों की मौत हुई है। वेराक्रूज में बीते चार दिनों में 24 इंच बारिश हुई है। वेराक्रूज के गवर्नर ने बताया कि राज्य में करीब तीन लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं।

चार्ली किर्क की हत्या पर टिप्पणी करना पड़ा भारी, अमेरिकी सरकार ने छह विदेशियों के वीजा रद्द किए

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी विदेश विभाग ने मंगलवार को छह विदेशियों के वीजा रद्द कर दिए क्योंकि इन लोगों ने रूढ़िवादी कार्यकर्ता चार्ली किर्क की हत्या के बारे में सोशल मीडिया पर टिप्पणी की थी। वीजा रद्द करने की यह घोषणा ऐसे समय में की गई जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने किर्क को मरणोपरांत अमेरिका के सर्वोच्च नागरिक सम्मान, प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया। यह सम्मान किर्क के 32वें जन्मदिन पर दिया गया।

अमेरिकी विदेश विभाग ने जारी किया बयान : अमेरिकी विदेश विभाग ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, अमेरिका उन विदेशियों की मेजबानी करने के लिए बाध्य नहीं है जो अमेरिकियों की मृत्यु की

कामना करते हैं। जिन लोगों के वीजा रद्द किए गए हैं, उनमें दक्षिण अफ्रीका, अर्जेंटीना, मेक्सिको, ब्राजील, जर्मनी और पेराग्वे के लोग शामिल हैं। विदेश विभाग ने बताया कि अर्जेंटीना के जिस नागरिक का वीजा रद्द किया गया है, उसने चार्ली किर्क पर नस्लवादी, जेनोफोबिक (विदेशियों से नफरत करने वाला), स्त्री द्वेषी बयानबाजी प्रसारित करने का आरोप लगाया था। वहीं जर्मनी के व्यक्ति ने लिखा कि जब फासीवादी मरते हैं तो डेमोक्रेट शिकायत नहीं करते।

अवैध अप्रवासियों के खिलाफ कार्रवाई कर रही ट्रंप सरकार : चार्ली किर्क की बीते महीने यूटा यूनिवर्सिटी में एक कार्यक्रम के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। चार्ली किर्क दक्षिणपंथ समर्थक और राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी थे। अमेरिकी विदेश विभाग ने बताया कि वे चार्ली किर्क की हत्या पर खुशी जताने वाले लोगों की पहचान कर रहे हैं। जनवरी में सत्ता पर काबिज होने के बाद से ही ट्रंप प्रशासन द्वारा अवैध अप्रवासियों को निशाना बनाया जा रहा है। साथ ही सोशल मीडिया पर की जाने वाली टिप्पणियों को लेकर भी निशाना बनाया जा रहा है। राष्ट्रपति ट्रंप ने मंगलवार को अपने करीबी चार्ली किर्क को मरणोपरांत अमेरिका का सर्वोच्च नागरिक सम्मान प्रेसिडेंशियल मेडल ऑफ फ्रीडम प्रदान किया। साथ ही ट्रंप ने किर्क को सत्य और स्वतंत्रता के लिए शहीद बताया। ट्रंप ने किर्क की तुलना सुकरात, सेंट पीटर, अब्राहम लिंकन और मार्टिन लूथर किंग से की। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने व्हाइट हाउस में आयोजित इस समारोह में यह भी संकल्प लिया कि वे कट्टरपंथी वामपंथी समूहों के खिलाफ अपनी कार्रवाई को दोगुना कर देंगे, जिसे उन्होंने किर्क की गोलीबारी के बाद शुरू किया था।

डोनाल्ड ट्रंप का शटडाउन पर बड़ा एलान- हम डेमोक्रेट पार्टी के शुरू किए सरकारी कार्यक्रमों को बंद कर रहे

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शटडाउन के बीच डेमोक्रेट्स पार्टी के सपोर्ट से होने वाले प्रोग्राम को बंद करने का एलान किया है। रिपोर्ट्स के अनुसार प्रशासन की ओर से आदेश जारी कर दिए गए हैं और बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची भी जल्द जारी होने की सूचना है। डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार (14 अक्तूबर) को घोषणा करते हुए कहा कि प्रशासन चल रहे सरकारी शटडाउन का इस्तेमाल डेमोक्रेट समर्थित संघीय कार्यक्रमों को स्थायी रूप से समाप्त करने के लिए कर रहा है। उन्होंने आगे कहा कि बंद होने वाले कार्यक्रमों की सूची शुक्रवार को जारी की जाएगी। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने बयान में कहा, शटडाउन के कारण डेमोक्रेट्स की हार हो रही है, क्योंकि हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिनका हम विरोध करते थे और अब किसी कीमत पर वापस नहीं आने दिया जाएगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने बयान में आगे कहा कि इसलिए हम वो काम कर पा रहे हैं, जो हम पहले नहीं कर पाते थे। हम उन डेमोक्रेट कार्यक्रमों को बंद कर रहे हैं, जिन्हें हम बंद करना चाहते थे या जिन्हें हम कभी नहीं होने देना चाहते थे, और अब हम उन्हें बंद कर रहे हैं, और हम उन्हें वापस नहीं आने देंगे।

रिपब्लिकन कार्यक्रम बंद नहीं होंगे- ट्रंप : बंद होने वाले कार्यक्रमों में ऐसे कई कार्यक्रम शामिल हैं, जिन्हें डोनाल्ड ट्रंप ने समाजवादी और अर्ध-साम्यवादी करार दिया है। व्हाइट हाउस से बोलते हुए डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि इस सूची में कई ऐसे कार्यक्रम शामिल होंगे, जिन्हें उन्होंने समाजवादी और अर्ध-कम्युनिस्ट बताया है। उन्होंने कहा, हम शुक्रवार को इनकी एक सूची जारी करेंगे, जिसमें कुछ सबसे गंभीर समाजवादी, अर्ध-साम्यवादी शायद पूर्ण साम्यवादी नहीं, हम इसे न्यूयॉर्क के लिए बचा रहे हैं, लेकिन अर्ध-साम्यवादी कार्यक्रमों को बंद किया जाएगा, और हम उन्हें बंद कर रहे हैं। हम रिपब्लिकन कार्यक्रमों को इसलिए बंद नहीं कर रहे हैं क्योंकि हमें लगता है कि वे कारगर हैं।

हजारों कर्मचारियों को नौकरी से निकाला : इससे पहले मंगलवार को व्हाइट हाउस के प्रबंधन एवं बजट कार्यालय ने कहा था कि वह अतिरिक्त कर्मचारियों की संख्या में कटौती या आरआईएफ के साथ बंद को खत्म करता रहेगा। यह कदम इस बात का संकेत है कि ट्रम्प प्रशासन संघीय कर्मचारियों की संख्या में कटौती जारी रखने की योजना बना रहा है, क्योंकि पिछले हफ्ते सात संघीय एजेंसियों के हजारों कर्मचारियों को उनकी नौकरी जाने की सूचना दी गई थी।

पाकिस्तान-अफगान में फिर हिंसक झड़प, तालिबान का दावा- 7 पाक सैनिक मारे

काबुल/ इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान सुरक्षा बलों और अफगान तालिबान के बीच मंगलवार रात को फिर झड़पें हुईं। एपी के मुताबिक, खैबर पख्तूनख्वा के कुर्रम जिले में सीमा पर दोनों पक्षों के बीच तनाव बढ़ गया है। इससे पहले पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने चेतावनी दी थी कि अफगानिस्तान के साथ दुश्मनी भरा माहौल है। इस्लामाबाद और काबुल में किसी भी वक्त संघर्ष शुरू हो सकता है। आसिफ ने कहा था, संघर्ष की संभावना को नकारा नहीं जा सकता। अगर अफगानिस्तान धमकी देता है, तो हम तुरंत जवाब देंगे। इस लड़ाई में दोनों पक्षों ने एक दूसरे के पोस्ट पर कब्जा करने का दावा किया है। साथ ही टैंकों के नुकसान की भी खबर है। पाकिस्तानी सरकारी मीडिया ने तालिबान पर बिना उकसावे के पहली गोली चलाने का आरोप लगाया। वहीं, अफगानिस्तान समर्थित सोशल हैंडल ने दावा किया कि अफगान सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान में उन जगहों को निशाना बनाया है जहां से अफगानिस्तान के लिए खतरा पैदा होता है। इसके साथ ही 7 पाकिस्तानी सैनिकों के मारे जाने की भी बात कही। पाकिस्तान का दावा- तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पाकिस्तान ने सूत्रों ने दावा किया है कि पाकिस्तान के हमले में कई तालिबान चौकियों को भारी नुकसान पहुंचा और उनकी चौकियों से आग की लपटें उठती देखी गई पाकिस्तानी पीटीवी न्यूज ने बताया, अफगान तालिबान और फितना अल-खवारिज ने कुर्रम में बिना वजह गोलीबारी की। पाकिस्तानी सेना ने पूरी ताकत से जवाब दिया।

दावा किया गया कि पाकिस्तान की जवाबी गोलीबारी में एक तालिबानी टैंक नष्ट हो गया, जिससे हमलावर अपनी चौकियां छोड़कर इलाके से भागने पर मजबूर हो गए। वहीं, काबुल का दावा है कि वह अपनी हवाई सीमा और संप्रभुता के उल्लंघन का जवाब दे रहा है। पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर सूत्रों के अनुसार पाकिस्तानी सेनाएं हाई अलर्ट पर हैं और किसी भी हमले का जवाब देने के लिए पूरी तरफ से तैयार है। वहीं अफगानिस्तान समर्थित वॉर ग्लोब न्यूज ने एक वीडियो जारी करते हुए दावा किया कि तालिबान के एक ड्रोन ने पख्तूनख्वा के सीमावर्ती इलाकों में एक पाकिस्तानी सैन्य अड्डे पर विस्फोटक किया।

शेरबहादुर देउबा ने छोड़ी नेपाली कांग्रेस की कार्यकारी जिम्मेदारी, पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी कमान

काठमांडू, एजेंसी। करीब एक दशक तक नेपाली कांग्रेस का नेतृत्व संभालने वाले और पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री बने शेरबहादुर देउबा ने मंगलवार से औपचारिक रूप से पार्टी की कार्यकारी भूमिका से विदाई ली है। आगामी 15वें महाधिवेशन में कांग्रेस पार्टी का विधान उन्हें दोबारा उम्मीदवार बनने की अनुमति नहीं देता। हालांकि, देउबा ने खुद केंद्रीय कार्य समिति की बैठक में घोषणा की कि अब वह सभापति पद के लिए उम्मीदवार नहीं होंगे।

महाधिवेशन संपन्न कराने की जिम्मेदारी उन्होंने उप सभापति पूर्णबहादुर खड़का को सौंपी है, जो अब कार्यकारी सभापति के रूप में पार्टी का नेतृत्व करेंगे। जिम्मेदारी हस्तांतरित करते हुए देउबा ने स्पष्ट संकेत दिया कि वे अब पूर्ण रूप से कार्यकारी भूमिका से अलग हो चुके हैं। नेपाल मे जेनजी आंदोलन के कारण देश की राजनीति में आई हलचल ने देउबा को समय पूर्व नेतृत्व से विदा होने के लिए बाध्य किया। आंदोलन से पहले उनकी योजना थी कि नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एमाले)-नेपाली कांग्रेस, गठजोड़ के तहत जून 2026 में छठी बार नेपाल के प्रधानमंत्री बनने के बाद ही कांग्रेस पार्टी की महाधिवेशन कराएं। आंदोलन के बाद उन्होंने सुरक्षित रास्ता अपनाते हुए नेतृत्व हस्तांतरण का निर्णय लिया। परंतु पार्टी के भीतर बढ़ते दबाव ने उन्हें तुरंत पद छोड़ने की स्थिति में ला खड़ा किया। कांग्रेस के महासचिव विश्वप्रकाश शर्मा और गगन थापाले सार्वजनिक रूप से देउबा से नेतृत्व

त्यागने का आग्रह किया था।

देउबा अब भी पार्टी सभापति, लेकिन कार्यकारी भूमिका समाप्त हो गई : 52 प्रतिशत से अधिक महाधिवेशन प्रतिनिधियों ने विशेष महाधिवेशन की मांग पर हस्ताक्षर भी किए, जिससे पार्टी के भीतर परिवर्तन की लहर और तेज हुई। बढ़ते दबाव के बीच देउबा ने अंततः कार्यकारी पद से हटने का निर्णय लिया। तकनीकी रूप से देउबा अब भी पार्टी सभापति हैं, लेकिन कार्यकारी रूप में उनकी भूमिका समाप्त हो गई है। छह दशक से अधिक लंबे राजनीतिक जीवन में यह उनका कार्यकारी पद पर आखिरी दिन माना जा रहा है। देउबा पांच बार नेपाल के प्रधानमंत्री रह चुके हैं। हालांकि, बार बार सत्ता में आने के बावजूद उनकी कार्यशैली और उपलब्धियों पर सवाल उठते रहे। आलोचकों ने उन पर सुशासन स्थापित न कर पाने और राजनीतिक अव्यवस्था बढ़ाने का आरोप लगाया है।

अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को किया याद : केंद्रीय कार्य समिति के बैठक में लिखित वक्तव्य के माध्यम से देउबा ने अपने प्रधानमंत्रित्व काल की उपलब्धियों को याद किया और आरोपों का खंडन किया। उन्होंने कहा, - मुझे पांच बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला, भले ही कार्यकाल छोटे रहे। अधिकांश समय मैंने चुनावी सरकारों का नेतृत्व किया, लेकिन कई क्षेत्रों में सुधार की दिशा में हमने महत्वपूर्ण कदम उठाए। देउबा के विदा लेने के बावजूद पार्टी के भीतर यह संशय बना हुआ है कि उनके सहयोगियों के प्रभाव में विधान द्वारा तय समय सीमा के भीतर महाधिवेशन होगा या नहीं। कई कांग्रेस नेताओं का मानना है कि उनके आसपास मौजूद गुटबंदी अब भी प्रक्रिया को प्रभावित कर सकती है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशकः सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी, 149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास, भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

नकली पुलिस बनकर हीरा दलाल से लूट

कर्ज चुकाने के लिए दोस्त ने साले के साथ रचा फिल्मी ड्रामा खुद का अपहरण कराकर लाखों के हीरे लूटे

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत के हीरा उद्योग में एक बार फिर भरोसे को तोड़ देने वाली सनसनीखेज घटना सामने आई है। एक हीरा दलाल के परिचित ने अपने साले के साथ मिलकर पहले से तय की गई चाल चलते हुए नकली पुलिस बनाकर अपने ही दोस्त से लगभग 2.50 लाख के 13.74 कैरेट हीरे लूट लिए।

गोडादरा पुलिस स्टेशन की टीम ने कुछ ही घंटों में मामले का पर्दाफाश कर मुख्य आरोपी विमल नसित को गिरफ्तार कर लिया और सभी चोरी किए गए हीरे बरामद कर लिए। पूछताछ में आरोपी ने कबूल किया कि उसने अपने साले का 60,000 का कर्ज चुकाने के लिए यह ठगी की साजिश रची थी। पुलिस अब अन्य फरार आरोपियों की तलाश कर रही है।

गोडादरा पुलिस स्टेशन क्षेत्र में रहने वाले जीतू अरविंदभाई गजेड़ा (उम्र 42),जो हीरा दलाली का काम करते हैं, उन्होंने 14 अक्टूबर 2025 को शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायत के अनुसार, 13 अक्टूबर को वे वराछा मिनी बाजार स्थित भावेश की ऑफिस से लगभग 13.74 कैरेट (कीमत 2.5 लाख) के हीरे का पैकेट लेकर निकले थे। जीतूभाई अपने परिचित विमल बाबूभाई नसित से शैलेश के पान के गल्ले पर मिले। वहां दोनों ने हीरे बेचने का प्रस्ताव दिया।

विमल ने ज्यादा मुनाफे का लालच देते हुए जीतूभाई से एक कैरेट 25,000 के बजाय 26,000 की चिट्ठी बनवाने को कहा। जीतू ने भरोसा कर लिया और चिट्ठी बना दी, जिसके बाद विमल ने हीरे और चिट्ठी दोनों अपनी जेब में रख लिए।

16 साल पुराने रिश्वत मामले में सूरत की कोर्ट का सख्त फैसला

SMC के सर्वेयर को 3 साल की सजा और 50,000 का जुर्माना

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत महानगर पालिका (SMC) के एक सर्वेयर को 16 साल पुराने रिश्वत मामले** में सूरत की अदालत ने सख्त सजा सुनाई है। आरोपी कमलेशभाई रावजीभाई पटेल,सर्वेयर (वर्ग-3), वराछा जोन, सूरत महानगर पालिका को तीन साल की सख्त कैद और 50,000 के जुर्माने** की सजा सुनाई गई है।

यह मामला वर्ष 2007 का है। शिकायतकर्ता के आवासीय मकान को उनके और उनके भाइयों के नाम पर ट्रांसफर करने तथा यह दिखाने के लिए कि मकान में कोई किराएदार नहीं रह रहा है — इस काम के बदले में आरोपी कमलेश पटेल ने रिश्वत मांगी थी।

पहले आरोपी ने 2,200 की मांग की थी, लेकिन बाद में सौदेबाजी के बाद 1,400 पर सहमति हुई। शिकायत मिलने पर एंटी करप्शन ब्यूरो (ACB) ने ट्रैप की योजना बनाई।

13 मार्च 2007 को आरोपी कमलेश पटेल 1,400 की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ पकड़ा गया। इसके बाद सूरत ACB पुलिस स्टेशन में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम 1988 की धारा 7, 13(1)(d) और 13(2) के तहत मामला दर्ज किया गया।

लंबी न्यायिक प्रक्रिया के बाद, अदालत ने मौखिक और दस्तावेजी सबूतों के आधार पर फैसला सुनाया। 10वें अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश, सूरत ने अंतिम निर्णय में आरोपी को दोषी ठहराया।

धारा 7 के तहत: 3 साल की सख्त कैद और 25,000 का जुर्माना

(जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त 3 महीने की कैद)धारा 13(1)(d) व 13(2)के तहत 3 साल की सख्त कैद और 25,000 का जुर्माना (जुर्माना न भरने पर अतिरिक्त 3 महीने की कैद)

इस प्रकार, आरोपी को कुल 3-3 साल की सख्त कैद और 50,000 का संयुक्त जुर्माना भरने का आदेश दिया गया है।

यह फैसला सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए एक कड़ा संदेश है कि अगर कोई भी व्यक्ति अपने वैध वेतन के अलावा जनता से अवैध लाभ की मांग करेगा, तो कानून उसे सख्त सजा देगा।

बाइक ओवरटेक करने पर रत्नकलाकार की हत्या

CCTV में कैद वारदात दो लोगों ने चाकू से वार कर भागे, युवक की मौके पर ही मौत

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत में फिर से एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। तीन दिन पहले ही पांच घंटे में दो हत्याएं होने के बाद, अब कापोद्रा क्षेत्र के हिम्मतनगर में एक और निर्मम हत्या हुई है।

हीरा कारखाने से घर लौट रहे 40 वर्षीय रत्नकलाकार सुरेश प्रेमजीभाई चित्रोडा की दो युवकों ने चाकू से गोदकर हत्या कर दी और फरार हो गए। वारदात के बाद सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया और जांच शुरू की।

सूरत क्राइम ब्रांच ने त्वरित कार्रवाई करते हुए मुख्य आरोपी 19 वर्षीय जयेश पाटिल को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया।

पूछताछ में जो वजह सामने आई, उसने पुलिस को भी हैरान कर दिया — हत्या का कारण कोई पुरानी दुश्मनी नहीं, बल्कि बाइक ओवरटेक करने की बात थी।

क्राइम ब्रांच के अनुसार, जयेश पाटिल हीरा घिसाई मजदूर है। घटना की रात वह अपने दोस्त के साथ कतरगाम की ओर नाश्ता करने जा रहा था।

तभी सुरेश चित्रोडा ने अपनी बाइक से उनकी गाड़ी को ओवरटेक कर "कट" मारा।

इससे गुस्से में आए जयेश ने सुरेश को धीरे चलाने की नसीहत दी।

डीसीपी भावेश रोजिया के अनुसार, य ह सुनकर सुरेश ने जयेश को मां-बहन की गंदी गालियां देनी शुरू कर दीं।

दोनों के बीच झगड़ा बढ़ गया और बात हाथापाई तक पहुंच गई।

गालियां सुनकर जयेश बेकाबू हो गया, उसने जेब से चाकू निकाला और सुरेश के सीने व पेट में कई वार कर दिए।

सुरेश की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि जयेश भाग निकला।

मिली जानकारी के मुताबिक, मूल रूप से राजकोट जिले के उपलेटा तालुका निवासी सुरेशभाई प्रेमजीभाई चित्रोडा सूरत के कापोद्रा क्षेत्र में अपनी पत्नी और दो बेटों के साथ रहते थे। उनके दो बेटे क्रमश: 10 और 8 वर्ष के हैं।

सुरेशभाई कापोद्रा के स्नेहमुद्रा क्षेत्र में एक हीरा कारखाने में रत्नकलाकार के रूप में काम करते थे और पूरे परिवार की जिम्मेदारी उन्हीं पर थी।

हर दिन की तरह वे सुबह टिफिन लेकर काम पर गए थे।

दिवाली की छुट्टियां शुरू होने के कारण उस रात उन्हें घर लौटने में थोड़ी देर हो गई।

रात करीब 11 बजे जब वे हिम्मतनगर रोड से गुजर रहे थे, तब बाइक पर आए दो युवकों ने उन्हें रोका और झगड़ा कर चाकू से हमला कर दिया।

हमले के बाद सुरेश लगभग 10 फीट दूर जाकर गिर पड़े, और उनकी वहीं मौत हो गई।

सड़क पर खुलेआम हत्या से इलाके में दहशत फैल गई।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद कापोद्रा पुलिस स्टेशन के PI M.B. असुरा, DCP आलोक कुमार, DCP राघव जैन, और दो ACP सहित कई वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंचे।

पहले परिवार को सिर्फ इतना बताया गया कि "सुरेश को हल्की चोट लगी है और उन्हें अस्पताल ले जाया गया है।

रात में परिवार को मानसिक रूप से टूटने से बचाने के लिए सच्चाई छिपाई गई, लेकिन सुबह उन्हें सुरेश की मौत की जानकारी दी गई।

घर में मातम छा गया — दो छोटे बच्चों ने पिता की छत्रछाया खो दी, और पत्नी ने जीवन का सहारा।

कापोद्रा पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया है।

एफएसएल टीम ने सबूत जुटाए हैं और आसपास के CCTV फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस यह भी जांच कर रही है कि इस वारदात में अन्य कोई व्यक्ति शामिल था या नहीं।

दिवाली से पहले सुरेशभाई का यूं जाना पूरे परिवार के लिए गहरा सदमा बन गया है।

दीपदान का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसू स्थित नंदिनी-1 सोसायटी में बुधवार रात्रि को कार्तिक मास के उपलक्ष में दीपदान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सोसायटी में भगवान कृष्ण का दरबार सजाया गया। आयोजन में पांडव सेना इस्कॉन, वेसु द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी गई। सभी भक्तों ने यशोदाजी - दामोदर जी को दीप अर्पित कर भजनों से लुभाया। सभी भक्तों के लिए महाप्रसाद की व्यवस्था भी की गई थी।

वेसू में होगा विशाल छठ पूजा का आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,वेसू वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा सूरत महानगर पालिका के सहयोग से इस वर्ष भी विशाल छठ पूजा का आयोजन वेसु विस्तार में कृत्रिम ग्राउंड में किया जाएगा। छठ पूजा समिति के मनीष जगनानी ने बताया की तीसरे छठ पूजा महोत्सव में 27 अक्टूबर को शाम का अर्घ्य एवं 28 अक्टूबर को सुबह का अर्घ्य दिया जाएगा। सभी छठ व्रतियों को पूजा करके के लिए सभी प्रकार की व्यवस्था की जाएगी। इसके लिए तैयारियों शुरू हो गई है। एसएमसी अधिकारियों से तैयारियों को लेकर हुई मीटिंग का आयोजन किया गया। मीटिंग में वेसु वेलफेयर के अध्यक्ष, कृष्ण शर्मा, सचिव विशाल पटेल, कोषाध्यक्ष राजेश केजरीवाल, विमल जैन, रमेश छापड़िया, शरद जगनानी, अनिल शंघई, शिव खेतान, मोहित सर्राफ, सुनील रामुका, रामानुज तिवारी, दीपक मस्करा सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

"एकल के मंच पर भारतीय उत्सव" कार्यक्रम का हुआ आयोजन

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

सूरत,एकल श्रीहरि महिला समिति द्वारा बुधवार को च्एकल के मंच पर भारतीय उत्सवज्ञ कार्यक्रम का आयोजन डुमस स्थित अग्र एक्सोटिका में किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से की गई। एकल श्रीहरि महिला समिति की संस्थापक सत्प्रेरक मंजू मित्तल ने वीडियो के माध्यम से समिति के कार्यों के बारे में बताया।

कार्यक्रम में समारोह अध्यक्ष के रूप में प्राची हर्ष संघवी, मुख्य अतिथि के रूप में कविता गुप्ता, अतिथि विशेष के रूप में मनीषा पंसारी उपस्थित रहीं। भारतीय संस्कृति, देशभक्ति एवं भारतीय सनातन परंपरा पर आधारित कार्यक्रम में महिलाओं ने अनेकों प्रस्तुति दी। महिलाओं ने अलग-अलग राज्यों की वेशभूषा में भारतीय संस्कृति की झलक प्रस्तुत की। इस अवसर पर महिला समिति की अध्यक्षा कुसुम सर्राफ, कार्यकारी अध्यक्षा कांता सोनी, कोषाध्यक्ष सुषमा सिंघानिया सहित अनेकों सदस्य एवं गणमान्य लोग उपस्थित रहें।

सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन के ग्रीन बॉन्ड की 8 गुना सफलता

NSE में लिस्टिंग के साथ गुजरात ग्रीन ग्रोथ के मार्ग पर, मुख्यमंत्री ने मुंबई में बेल बजाकर की औपचारिक शुरुआत

200 करोड़ के इश्यू के सामने 800 करोड़ की मांग

क्रांति समय
www.krantisamay.com
www.guj.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com
www.rti.krantisamay.com

गुजरात ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में ग्रीन ग्रोथ और सस्टेनेबल डेवलपमेंट की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। सूरत महानगर पालिका (SMC) द्वारा जारी किया गया ग्रीन म्युनिसिपल बॉन्ड आज मुंबई स्थित नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) में औपचारिक रूप से लिस्ट किया गया।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने बेल बजाकर इस बॉन्ड के ट्रेडिंग की शुरुआत की। इस अवसर पर सूरत के मेयर दक्षेश मावाणी सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सूरत महानगर पालिका ने 200 करोड़ मूल्य के लिस्टेड, टैक्सेबल, रिडीमेबल, सिक्योर्ड नॉन-कन्वर्टिबल म्युनिसिपल बॉन्ड डिबेंचर जारी किए। इस ग्रीन बॉन्ड को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली।

6 अक्टूबर 2025 को खुला यह इश्यू 9 अक्टूबर 2025 को बंद हुआ, और इस दौरान 200 करोड़ के इश्यू के सामने 800 करोड़ की मांग दर्ज हुई, जो इश्यू के मूल्य का 8 गुना अधिक सब्सक्रिप्शन दर्शाता है। यह आंकड़ा सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन की दीर्घकालिक योजनाओं और वित्तीय विश्वसनीयता में निवेशकों के अटूट विश्वास को दर्शाता है। उल्लेखनीय है कि खुदरा निवेशकों (Retail Investors) के लिए कुल बॉन्ड का 15' यानी 30 करोड़ आरक्षित किया गया था।

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि यह ग्रीन बॉन्ड केवल एक वित्तीय लेनदेन नहीं है, बल्कि जनता की ग्रीन ग्रोथ और सतत विकास में भागीदारी का प्रतीक है। उन्होंने SMC की इस पहल को ग्रीन पीपल्स फाइनेंसिंग का उत्कृष्ट उदाहरण बताया।

सप्तप्त जुटाई गई राशि पर्यावरण और ऊर्जा परियोजनाओं में खर्च होगी

SMC आयुक्त शालिनी अग्रवाल ने बताया कि देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त ग्रीन बॉन्ड सूरत म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन द्वारा जारी किया गया है।

इस बॉन्ड से प्राप्त धनराशि का उपयोग केवल पर्यावरण संरक्षण और ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स के लिए किया जाएगा, जिसमें मुख्य रूप से सोलर पावर प्रोजेक्ट्स, जल संरक्षण योजनाएं और ग्रीन ट्रांसपोर्ट से संबंधित परियोजनाएं शामिल हैं।

मुख्यमंत्री पटेल ने प्रधानमंत्री के 2070 तक नेट ज़ीरो कार्बन फुटप्रिंट लक्ष्य का उल्लेख करते हुए कहा कि गुजरात सरकार ग्रीन ग्रोथ और ग्रीन मोबिलिटी को विशेष प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत ने पर्यावरण और अर्थव्यवस्था के बीच एक उत्कृष्ट संतुलन कायम किया है। प्रधानमंत्री का 2047 तक विकसित भारत बनाने का संकल्प है, और इस दिशा में गुजरात ने विकसित गुजरात @ 2047 रोडमैप के तहत कई विकासात्मक पहलें शुरू की हैं।

मेयर दक्षेश मावाणी ने कहा कि सूरत की सतत ऊर्जा पहल 2047 के विकास विजन को साकार करने में एक प्रेरक उदाहरण बनेगी।

अब तक लगभग 14 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त कर चुका सूरत, ग्रीन एनर्जी की मदद से दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में से एक बनने की दिशा में अग्रसर है।